epaper.dehatsandesh.com

3 जिलाभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लोहड़ी पर्व

5 इरा जाधव ने तूफानी बल्लेबाजी कर बनाया नाबाद 346 रनों का रिकार्ड

8 सागौन की खेती

मौसम जम्मू न्यूनतम 6 अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-13 | जम्मू तवी, मंगलवार 14 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

प्रधानमंत्री ने सोनमर्ग सुरंग का उद्घाटन किया

श्रीनगर, 13 जनवरी। सोनमर्ग सुरंग के उद्घाटन के साथ, जम्मू-कश्मीर के इतिहास में एक नया अध्याय शुरू हो गया है। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का आभारी हूं कि उन्होंने यूटी के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा किया है और ऐसा माहौल बनाया है जिससे आम आदमी समृद्ध हो रहा है और सम्मानजनक जीवन जी रहा है।

सोनमर्ग सुरंग जम्मू-कश्मीर के लिए ꠳भाग्य रेखा꠳ है, जो सुरम्य सोनमर्ग से साल भर संपर्क को सक्षम बनाती है। यह स्थानीय अर्थव्यवस्था, शीतकालीन पर्यटन के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगी और क्षेत्र में आजीविका और व्यापार के नए रास्ते भी खोलेगी।

माननीय प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर को

पीड़ा से निकालकर प्रगति और समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ाया है। उन्होंने लोगों के जीवन में अंधकार से आशा की रोशनी लाई है। किताबों में जम्मू-कश्मीर को स्वर्ग बताया गया है, उन्होंने इसे हकीकत में बदल दिया है। आज आतंकवाद की जगह पर्यटन की चर्चा हो रही है।

यह अभूतपूर्व परियोजना केंद्र शासित प्रदेश

जम्मू कश्मीर के तीव्र और समावेशी विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस सुरंग के खुलने से न केवल सोनमर्ग में पर्यटन क्षेत्र की किस्मत बदलेगी बल्कि इस क्षेत्र की सामाजिक और आर्थिक स्थिति भी बदलेगी।

गगनगीर आतंकी हमले में शहीद हुए सोनमर्ग सुरंग परियोजना के श्रमिकों को मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आज, हमने सामरिक दृष्टि से भी एक बड़ी छलांग लगाई है और अपने सशस्त्र बलों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए एक मजबूत बुनियादी ढांचा प्रदान किया है। निर्माणाधीन जोजिला सुरंग, जिसके 2026 तक पूरा होने की संभावना है, पूरे साल लद्दाख से कनेक्टिविटी और दूरदराज के क्षेत्रों में निर्बाध आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करेगी।

बुनियादी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार, नई औद्योगिक क्रांति, राजमार्गों का बड़ा नेटवर्क, जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करना, कृषि और बागवानी क्षेत्र में नई क्रांति, सामाजिक-आर्थिक क्षेत्रों का कायाकल्प और वंचित वर्गों के उत्थान ने एक विकसित, आत्मनिर्भर जम्मू कश्मीर की मजबूत नींव रखी है। शांति और स्थिरता ने पर्यटन क्षेत्र को बदल दिया है।

- जम्मू कश्मीर में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये की सड़क और राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं।
- दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे पर तेजी से काम चल रहा है। बारामुल्ला-कुपवाड़ा-त्रेहगाम राष्ट्रीय राजमार्ग, बारामुल्ला-उड़ी राजमार्ग, पट्टन बाईपास, बारामुल्ला बाईपास और कई अन्य परियोजनाओं का उद्देश्य केंद्र शासित प्रदेश में सड़क संपर्क को मजबूत करना है।
- 8 सुरंग परियोजनाओं का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और दिसंबर 2025 तक पूरा होने की संभावना है।
- सुधमहादेव-द्रंगा सुरंग और सिंहपोरा-वेलु सुरंग पर काम शुरू किया जा रहा है।
- -नाबार्ड के तहत लगभग 144 सड़क और पुल परियोजनाएं शुरू की गई हैं।
- हम पीएमजीएसवाई के तहत जम्मू कश्मीर के 99 प्रतिषत से अधिक गांवों को सड़क से जोड़ने में सफल रहे हैं और शेष 09 गांवों में भी जल्द ही संपर्क स्थापित कर दिया जाएगा और उन्हें सामाजिक-आर्थिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ दिया जाएगा।
- रेलवे नेटवर्क के माध्यम से कश्मीर को कन्याकुमारी से जोड़ने का सपना जल्द ही साकार होगा। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक के खुलने से सामाजिक-आर्थिक विकास और राष्ट्रीय एकीकरण के एक नए युग की शुरुआत होगी।

विदेशी पर्यटकों की संख्या में 300 प्रतिषत की वृद्धि हुई है। जम्मू-कश्मीर में 2024 में 2.35 करोड़ पर्यटक आए, जबकि 2023 में 2.11 लाख पर्यटक जम्मू कश्मीर आए। माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व में, हम अभूतपूर्व सड़क और सुरंग बुनियादी ढांचे के विकास को देख रहे हैं।

लगभग 12 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग सुरंग परियोजना का निर्माण 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है। इसमें 6.4 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग मुख्य सुरंग, एक निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। समुद्र तल से 8,650 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित, यह भूस्खलन और हिमस्खलन मार्गों को दरकिनार करते हुए लेह के रास्ते में श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच सभी मौसम की कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लद्दाख क्षेत्र में सुरक्षित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगा।

श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा व फाफामऊ के लिए चलेगी विशेष ट्रेन

जम्मू,, 13 जनवरी । रेलवे ने कुम्भ मेला को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा व फाफामऊ रेलवे स्टेशन के बीच विशेष् आरक्षित ट्रेन चलाने का ऐलान किया है। यह ट्रेन संख्य 04601 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से फाफामऊ के लिए 24 जनवरी को सुबह 3 बजकर 50 मिनट पर रवाना होकर अगले दिन सुबह 4 बजकर 25 मिनट पर फाफामऊ पहुँचेगी।

वापसी दिशा में ट्रेन संख्या 04602 फाफामऊ से श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के लिए 25 जनवरी शाम 7 बजकर 30 मिनट रवाना होकर अगले दिन रात 10 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। मार्ग में यह ट्रेन शहीद कप्तान तुषार महाजन उधमपुर, जम्मू तवी, कठुआ, पठानकोट कैंट, जालंधर कैंट, लुधियाना, अम्बाला छावनी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ तथा रायबरेली स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहराव लेगी।

बदहाल में संदिग्ध बीमारी से दो की मौत 4 की हालत गंभीर

जम्मू, 13 जनवरी। राजौरी के बदहाल गांव में एक बेहद चिंताजनक घटना में एक परिवार के छह सदस्य गंभीर रूप से बीमार हो गए जिससे दो बच्चों की दुखद मौत हो गई जबकि चार अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। प्रभावित परिवार के सदस्यों को पहले इलाज के लिए सीएचसी कंडी ले जाया गया लेकिन बाद में उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें जीएमसी राजौरी रेफर कर दिया गया। उनमें से चार बच्चों को बाद में उन्नत देखभाल के लिए एसएमजीएस अस्पताल जम्मू में स्थानांतरित कर दिया गया। एसएमजीएस अस्पताल में स्थानांतरित किए गए बच्चों में जहूर अहमद 14 वर्ष, नवीना कौसर 8 वर्ष, मृत, यास्मीन अख्तर 15 वर्ष और मोहम्मद मारूफ 10 वर्ष शामिल हैं। दो अन्य बच्चे, सफीना कौसर 6 वर्ष और जबीना कौसर 10 वर्ष अभी भी जीएमसी राजौरी में उपचाराधीन हैं। एसएमजीएस अस्पताल के शिशु रोग विभागाध्यक्ष के अनुसार, तमाम प्रयासों के बावजूद नवीना कौसर और जहूर अहमद की एसएमजीएस अस्पताल जम्मू में दुखद मौत हो गई जबकि अन्य की हालत स्थिर बताई गई है। इस घटना ने नवंबर 2024 में इसी तरह की त्रासदी के साथ परेशान करने वाली समानताएं खींची हैं जब इसी गांव में एक ही परिवार के नौ सदस्यों की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जांच के बावजूद पिछली मौतों का सही कारण पता नहीं चल पाया है। स्थानीय निवासियों ने स्वास्थ्य विभाग की प्रतिक्रिया में गंभीर खामियों का आरोप लगाते हुए गुस्सा और निराशा व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित व्यक्तियों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं में स्थानांतरित करने में देरी और संकट बढ़ने से पहले स्वास्थ्य निगरानी टीमों की विफलता की आलोचना की। समुदाय का दृढ़ विश्वास है कि अधिक सक्रिय दृष्टिकोण नवीना कौसर और जहूर अहमद की जान बचा सकता था और वर्तमान स्वास्थ्य आपातकाल को रोका जा सकता था। स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली की अक्षमता ने स्थानीय लोगों में आक्रोश पैदा कर दिया है और स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों, विशेष रूप से सीएमओ राजौरी और स्वास्थ्य विभाग से जवाबदेही की मांग की है।

चीन से पूर्वी लद्दाख के डेप्सांग और डेमचोक में विवाद सुलझा, मणिपुर में शांति कायम : सेना प्रमुख

नई दिल्ली, 13 जनवरी । भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को मानेकशा सेंटर में सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मणिपुर की स्थिति, भारत-म्यांमार सीमा, कश्मीर घाटी में सीमा पार से आतंकी घुसपैठ, चीन सीमा पर डेप्सांग और डेमचोक में पेट्रोलिंग शुरू होने, बांग्लादेश की स्थिति के मुद्दों पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि डेप्सांग और डेमचोक के दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक चराई शुरू हो गई है। साथ ही मणिपुर के बारे में उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों के समन्वित प्रयासों और सक्रिय सरकारी पहलों ने स्थिति को नियंत्रण में ला दिया है। भारत-म्यांमार सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है, ताकि सीमा पर अभी तक हो रही अशांति के फैलाव से बचा जा सके। सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने आज राष्ट्रीय सुरक्षा और देश की विभिन्न सीमाओं के बारे में खुलकर सवालों के जवाब दिए। उन्होंने मणिपुर के बारे में कहा कि आज मणिपुर में जनजातीय समुदाय मजबूत रुख अपना रहा है , लेकिन हमें पूरे देश के साथ सुलह करने के लिए काम करना होगा। मुझे वहां तैनात किये नए राज्यपाल से भी बहुत उम्मीद है कि वे इस दिशा में कदम उठाएंगे। आपसी तालमेल के सवाल पर सेना प्रमुख ने भरोसा दिलाया कि समन्वय की बिल्कुल भी कमी नहीं है, लेकिन हमें यह समझना होगा कि कौन सा पक्ष कहां है। जब मई 2023 में यह समस्या आई, तो डीजीपी ने आदेश जारी किए कि आप जिस भी समुदाय से हैं, उसके निकटतम पुलिस स्टेशन जाएं, लेकिन बाहरी ताकतों के सवालों को खारिज नहीं किया जा सकता।

'जेड-मोड़ सुरंग सोनमर्ग के लिए गेम-चेंजर'

श्रीनगर, 13 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोनमर्ग में जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर दिया।

उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि मैं उन सात निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने यहां आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवा दी। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। आज जम्मू-कश्मीर में उल्लेखनीय विकास हो रहा है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे क्षेत्र में हिंसा से विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि लोग अब आतंकवाद के बारे में नहीं बल्कि पर्यटन के बारे में बात कर रहे हैं। यह जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उपराज्यपाल सिन्हा ने जेड-मोड़ सुरंग को सोनमर्ग के लिए गेम-चेंजर कहा, खासकर सर्दियों के पर्यटन को बढ़ावा देने की इसकी क्षमता के लिए। उन्होंने कहा कि यह सुरंग सोनमर्ग को पूरे साल सुलभ बनाएगी।

उपराज्यपाल ने कहा कि मेरा मानना है कि वह दिन दूर नहीं जब लद्दाख में भी सभी मौसमों में कनेक्टिविटी होगी जिससे क्षेत्र में और भी अधिक विकास होगा। उन्होंने बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर सरकार के फोकस पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कई सड़क परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और वे जम्मू-कश्मीर में बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान कर रही हैं। प्रभावशाली आंकड़े साझा करते हुए सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पर्यटन नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि 2024 में 2.35 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए। यह क्षेत्र के परिवर्तन और लोगों में इस खूबसूरत भूमि पर आने के प्रति विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए समापन किया।

भारत ने बांग्लादेश को किया स्पष्ट, कहा- सीमा पर बाड़ लगाना प्रोटोकॉल और समझौते के तहत

नई दिल्ली, 13 जनवरी । भारत में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त मोहम्मद नूरल इस्लाम को विदेश मंत्रालय ने आज दोपहर 2 बजे साउथ ब्लॉक में तलब किया।

उन्हें यह बताया गया कि बाड़ लगाने सहित सीमा पर सुरक्षा उपायों के संबंध में भारत ने दोनों सरकारों और सीमा सुरक्षा बल तथा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के बीच सभी प्रोटोकॉल और समझौतों का पालन किया है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत ने अपनी उम्मीद जताई कि बांग्लादेश द्वारा पहले की सभी सहमतियों को लागू किया जाएगा और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

भारत ने सीमा पार आपराधिक गतिविधियों, तस्करी, अपराधियों की आवाजाही और तस्करी की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करके अपराध मुक्त सीमा सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कांटेदार तार की बाड़ लगाना, सीमा पर प्रकाश व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थापना और मवेशियों के लिए बाड़ लगाना सीमा की सुरक्षा के उपाय हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में कुल 33 सुरंगें बनाई जा रही हैं : नितिन गडकरी

श्रीनगर, 13 जनवरी । केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में कुल 33 सुरंगें बनाई जा रही हैं जिनमें से 15 का काम पूरा हो चुका है।

जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के बाद सोनमर्ग में एक सभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि अच्छी सड़कें प्रगतिशील राष्ट्र की ओर ले जाती हैं और इसलिए प्रधानमंत्री जम्मू-कश्मीर में सड़कों के विकास के लिए उत्सुक हैं ताकि राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित हो और 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल

हो सके। उन्होंने कहा कि श्रीनगर रिंग रोड, जम्मू-कश्मीर में चार कॉरिडोर और अन्य सहित जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में चल रही कई परियोजनाओं के इस साल के अंत तक पूरा होने और उद्घाटन होने की उम्मीद है।

गडकरी ने आगे कहा कि आज उद्घाटन की गई सुरंग से लोगों की परेशानी दूर होगी जिन्हें सर्दियों से पहले आवश्यक वस्तुओं का स्टॉक इकट्ठा करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि एक अन्य जोजिला सुरंग जो पहले 12,000 करोड़ रुपये की लागत से बन रही थी अब केवल 6800 करोड़ रुपये की लागत से बन रही है जिससे 5000 करोड़ रुपये की बचत होगी। उन्होंने कहा कि यह सुरंग श्रीनगर-लेह के यात्रियों के लिए साल भर आवागमन सुनिश्चित करेगी। गडकरी ने बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के उनके मिशन के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया और सोनमर्ग सुरंग जैसे विकास को देखने के लिए लोगों को बधाई दी।

पुलिस ने पशुओं को तस्करों से करवाया मुक्त

जम्मू, 13 जनवरी । उधमपुर में पुलिस पोस्ट डैमनोटे की टीम ने एक गोवंश तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया है जिसमें दो गोवंश तस्करों के चंगुल से 02 गोवंश को बचाया गया जो बिना किसी वैध अनुमति के इन गोवंश को रामबन जिले की ओर ले जा रहे थे। दो गोवंश तस्करों राज अली पुत्र गामी निवासी गलियोटे और यूसुफ पुत्र हाकम दीन निवासी लाली, मौंगरी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों गोवंश को बचा लिया गया है और उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

जम्मू व पूरे देश में लोहड़ी पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया।

किसानों के हित में कृषि क्षेत्र की साप्ताहिक समीक्षा हर सोमवार करेंगे : शिवराज चौहान

नई दिल्ली, 13 जनवरी । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कृषि एवं किसान मंत्रालय की समीक्षा बैठक में कहा कि कृषि एवं किसान देश और देश की जनता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हर सप्ताह खेती-किसानी की स्थितियों में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, इसलिए हमने फैसला किया है कि कृषि की स्थिति की साप्ताहिक समीक्षा हर सोमवार करेंगे। अपवादस्वरूप अगर कोई ऐसा कारण आ गया कि सोमवार को समीक्षा नहीं हो सकती है तो एक-दो दिन आगे पीछे करेंगे, लेकिन साप्ताहिक समीक्षा होगी। किसानों का तकलीफें दूर करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हर अधिकारी-कर्मचारी को इस पर संवेदनशील होना चाहिए। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि साप्ताहिक समीक्षा में फसलों की स्थिति, कहीं फसलों में कोई रोग तो नहीं लगा, अगर कोई रोग लगा है तो उसकी रोकथाम के तत्काल उपाय क्या हो सकते हैं

घाटी में रात के तापमान में भारी गिरावट के कारण पड़ रही कड़ाके की ठंड

श्रीनगर, 13 जनवरी । कश्मीर घाटी में रात के तापमान में भारी गिरावट के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। जम्मू और कश्मीर पर्यटन मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 21 जनवरी तक शुष्क मौसम का अनुमान जताया है।

15, 16 और 21 जनवरी के बीच जम्मू और कश्मीर में अलग-अलग ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है।

जम्मू और कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात न्यूनतम तापमान -5.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पहलगाम कश्मीर घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान -8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में भी न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई और यह -6.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि एक दिन पहले यह -5.6 डिग्री सेल्सियस था।

मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सुरम्य सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान -9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान -5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में सोमवार को मामूली सुधार के साथ तापमान -3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, काजीगुंड में तापमान -6.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

प्रधानमंत्री जम्मू एवं कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का अपना वादा करेंगे पूरा: मुख्यमंत्री उमर

सोनमर्ग, 13 जनवरी । जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री जम्मू एवं कश्मीर को राज्य का दर्जा देने का अपना वादा पूरा करेंगे।

सोनमर्ग में जेड-मोड़ सुरंग के उद्घाटन के दौरान एक जनसभा में अपने उद्घाटन भाषण में मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में अपने पिछले दौरे के दौरान किए गए अपने दो वादों को पूरा किया है जिसमें विधानसभा चुनाव कराना भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वह जम्मू एवं कश्मीर के साथ दिल्ली की दूरी और दिल की दूरी दोनों को खत्म करना चाहते हैं जो कि उनके जम्मू एवं कश्मीर के लगातार दौरों और विकास परियोजनाओं के उद्घाटन से स्पष्ट है हालांकि मैं प्रधानमंत्री को जम्मू एवं कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के उनके वादे के बारे में याद दिलाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मेरा दिल कहता है कि प्रधानमंत्री जल्द ही अपना वादा पूरा करेंगे।

इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने पिछले साल जेड-मोड़ पर हुए हमले में मारे गए सात श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले 35 सालों से जम्मू-कश्मीर के लोगों ने इस देश की प्रगति के लिए अपनी जान कुर्बान की है। मैं उस पार्टी से हूं जिसने इस देश

के लिए बहुत कुछ बलिदान किया है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना में पीएम मोदी की मौजूदगी उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो नहीं चाहते कि जम्मू-कश्मीर समृद्ध और विकसित हो। उमर ने कहा कि ऐसे तत्व सफल नहीं होंगे और उन्हें यहां से हार का सामना करना पड़ेगा।

जब बच्चों की मस्ती हर पल आसमान में उड़ती दिखे तो समझो पतंग उड़ाने के दिन आ गए हैं। दुकानें और बाजार भी तो पतंगों से सजने लगे हैं। अब हर शाम पतंगें पेंच लड़ाएंगी और खुशियां चरखी, सद्दी, मांजा, ढील दे और आई बो काटा की आवाज में पूरे आसमान में गूंजेंगी, और क्या होगा, जानते हैं...

मेरी पतंग बड़ी मतवाली

बड़े-बड़े पतंगबाज

यदि तुम्हें यह लगता है कि पतंग के इस खेल पर तुम बच्चों का ही अधिकार है तो तुम गलत हो। दुनियाभर में जितने अधिक बच्चे इसके दीवाने हैं, उससे कहीं अधिक संख्या बड़े पतंगबाजों की है। राजा-नवाब भी इसके शौक से दूर नहीं थे। उनके लिए महलों की छतों पर पतंग उड़ाने के लिए खास इंतजाम किए जाते थे। मुगल राजाओं के समय पतंगबाजी को खूब पसंद किया जाता था। उसके बाद लखनऊ, रामपुर और हैदराबाद के नवाबों में भी इसका खुमार चढ़ा। ये लोग अपनी पतंगों के साथ अशर्फियां बांधकर उड़ाते थे। जिन घरों पर ये पतंगें टूट कर गिरती थीं, उन घरों में खुशियां मनायी जाती थीं। पतंग की खोज कब और किसने की, इस बात की निश्चित तिथि तो किसी को पता नहीं, पर इसकी शुरुआत लगभग दो हजार वर्ष पहले चीन में मानी जाती है। कहा जाता है कि पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक मो जी ने बनाई थी। उसके बाद पतंगबाजी का यह खेल विभिन्न देशों में फैलता चला गया।

भारत में कहां-कहां

यदि तुम्हें लगता है कि पतंग केवल 15 अगस्त के दिन ही उड़ायी जाती है तो तुम गलत हो। 15 अगस्त पर पतंगें दिल्ली में उड़ायी जाती हैं। यहां तक कि लाल किला मैदान में भी लोग इकट्ठे होकर पतंगें उड़ाते हैं और आजादी का जश्न मनाते हैं। हरियाणा में पतंगें तीज पर, पंजाब में बैसाखी पर, गुजरात, बिहार में मकर संक्रांति पर, उत्तर प्रदेश में वसंत पंचमी व मकर संक्रांति के अलावा दिवाली के अगले दिन भी खूब उड़ायी जाती हैं।

यहां लगते हैं पतंगों के मेले

पतंग उड़ाना दुनिया के कई देशों में लोकप्रिय खेल माना जाता है। खासतौर पर चीन, जापान, भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका में हर साल इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल्स का आयोजन किया जाता है, जहां दुनियाभर के पतंगबाज तरह-तरह की पतंगों से अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हैं। हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं।

जापान काइट फेस्टिवल

जापान में यह फेस्टिवल हर साल मई माह के पहले वीक में हमामात्सु शहर में आयोजित किया जाता है। इस समय यहां का साफ चमकता नीला आसमान एक दूसरे की पतंगों से पेंच लड़ाते पतंगबाजों का युद्ध का मैदान बन जाता है। हजारों की संख्या में बच्चे, महिलाएं और पुरुष अपने रंग-बिरंगे हैप्पी कोट्स में पतंग उड़ाने का मजा लेते हैं। इस महोत्सव के दौरान फेस्टिवल म्यूजियम तक पहुंचने के लिए हमामात्सु रेलवे स्टेशन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट की खास व्यवस्था की जाती है।

चीन काइट फेस्टिवल

चीन में हर साल अप्रैल माह में वाइफैंग शहर में काइट फेस्टिवल लगाया जाता है। यहां चीन के साथ-साथ दुनियाभर से पतंग के शौकीन इकट्ठे होते हैं। यहां खास तरह की हैंडीक्राफ्ट पतंगें देखने को मिलती हैं। सप्ताहभर चलने वाले इस पतंगों के त्योहार में पूरे शहर को रंग-बिरंगी लालटेन और स्टीमर्स से सजाया जाता है। वाइफैंग काइट म्यूजियम दुनियाभर में सबसे बड़े म्यूजियमों में से एक है।

वॉशिंगटन स्टेट इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल

नॉर्थ अमेरिका के वॉशिंगटन शहर का यह सबसे लोकप्रिय आयोजन है। अगस्त के तीसरे वीक में सात दिन तक चलने वाला यह कार्यक्रम हर साल लॉन्गबीच पेनिन्सुला में आयोजित किया जाता है। इसे देखने के लिए जितनी बड़ी संख्या में दर्शक जुटते हैं, उतने ही उत्साह से देश और विदेश के पतंगबाज भी अपने कौशल को दिखाने के लिए यहां आते हैं। काइट ट्रेड एसोसिएशन इंटरनेशनल द्वारा इसे दुनियाभर में सबसे अच्छे काइट फेस्टिवलों में से एक माना गया है।

अहमदाबाद इंटरनेशनल फेस्टिवल

यूं तो भारत में पतंगें किसी एक खास चौक या नदी के किनारों पर ही नहीं, हर गली-मोहल्ले में उड़ती देखी जा सकती हैं, पर जिस काइट फेस्टिवल की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है, वह है गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल। यह मकर संक्रांति के अवसर पर यानी 13 जनवरी से शुरू होता है। यह आयोजन तीन दिन तक चलता है। इन दिनों पूरे गुजरात की चहल-पहल सिमट कर अहमदाबाद में अपने रंग दिखाने लगती है। विदेशों के पतंगबाज भी इसमें शामिल होते हैं।

जकार्ता काइट फेस्टिवल

यह इंडोनेशिया का सबसे प्रसिद्ध और पुराना फेस्टिवल है। यह हर साल जुलाई के महीने में दो दिन तक आयोजित किया जाता है। चीन, जापान, मलेशिया और नीदरलैंड से पतंगबाज इसमें शामिल होने के लिए आते हैं। यहां की बड़ी-बड़ी ड्रेगन काइट खास आकर्षण का केंद्र होती हैं।

पतंगें ऐसी भी..

कागज का अविष्कार होने से पहले से पतंग उड़ायी जाती रही हैं। कहते हैं कि लगभग 3000 साल पहले उड़ायी गयी पहली पतंग पत्तियों से बनी थी। सन् 1883 में इंग्लैंड के डगसल आकिवेल्ड ने पतंगों के जरिए 1200 फीट की ऊंचाई पर बहती हवा की गति मालूम की थी। कहते हैं कि 1901 में मार्कोनी ने एक हैक्सागन यानी छह भुजाओं वाली पतंग का प्रयोग अटलांटिक महासागर के पार सिग्नल भेजने के लिए किया था। यदि तुम यह मानते हो कि पतंग उड़ाना बच्चों का खेल है, तो यह जानकर हैरानी होगी कि पतंग उड़ाने वालों में बच्चों से कहीं अधिक संख्या बड़ की है। हर साल उत्तरी अमेरिका में लगभग 5 करोड़ पतंगों की बिक्री होती है। ऐसा कहा जाता है कि दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर सप्ताह कम से कम एक पतंगों का त्योहार मनाया जाता है। थाईलैंड में होने वाली पतंगबाजी में 78 नियमों का पालन करना पड़ता है। ओरिएंट में लोग खुशियां, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य की शुभकामना के प्रतीक के रूप में एक-दूसरे को पतंग भेंट करते हैं। जापान में 1760 में पतंग उड़ाने पर बैन लगा दिया गया था। इसका कारण था कि लोग काम करने से ज्यादा समय पतंग उड़ाने में बिताते थे।

हिमालय के ये अद्भुत पक्षी

हिमालय पर्वत पर छोटी और सुंदर सी धोबिन पक्षी चहकती मिलती है। यह अन्य समतुल्य पक्षियों के अंडों पर हाथ साफ करती है। पक्षियों का हिमालय पर्वत से बड़ा घनिष्ठ संबंध है। कुछ पक्षी स्थायी रूप से हिमालय पर ही रहते हैं। वे कभी नीचे मैदानों में नहीं आते और पर्वत श्रृंखला पर ही अपना घोंसला बनाते हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन पक्षियों के नाम चीरडू, कोकलास, कालिज, मीनल आदि हैं। मैदानों के पक्षी तोता, मैना, कोयल, गौरैया आदि समय-समय पर पहाड़ों के ऊपर छोटे-छोटे पेड़ों पर अपना घोंसला बनाती हैं। वहीं प्रजनन क्रिया संपन्न करती हैं। जब बच्चे उड़ने लगते हैं तो उन्हें साथ लेकर उन्मुक्त उड़ने लगती हैं। वे महीनों यहां एक ही स्थान पर रहती हैं। इन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो ये यहां की बारहमासी चिड़िया हो। इनके पांव में छल्ले पहनाकर यह देखा गया कि ये हर साल निश्चित स्थान पर आती हैं। इनके पेट के नीचे का रंग सफेद और गला काला होता है। प्रकृति की विचित्र लीला है कि ये साल में अनेक बार अपना रंग बदलती हैं। झीलों, तालाबों और नदियों के किनारे ये झुंड बनाकर उछलती-कूदती रहती है। वहीं जल क्रीड़ा करती हैं। शायद इसीलिए इनका नाम धोबिन पड़ा है। ये पक्षी प्रवासी हैं, फिर भी इस देश में इनका महत्व और लोकप्रियता सर्वोपरि है। ऐसा लगता है, मानो यह हमारे देश का ही पक्षी है। जब सहेली चली जाती हैं, तो हमारा घर-आंगन, बाग-बगीचे सूने और उजाड़ से लगने लगते हैं।

जोकर की हंसी है बड़ी पुरानी

बात जोकर की हो और डैन राइस का जिक्र न हो, यह कैसे हो सकता है। जी हां! डैन राइस ही वो शख्स हैं, जिन्होंने अंकल सैम जैसे मशहूर किरदार का परिचय दुनिया से कराया। राइस का हास्य पैदा करने का तरीका एकदम जुदा था, वे समकालीन घटनाओं से हास्य निकाल लेते थे। लेकिन 19वीं शताब्दी के मध्य में रेडियो और फोटोग्राफ के बाजार में आने के बाद जोकर भी सुरीला हो चुका था। वह अब खुद संगीत तैयार कर दर्शकों के सामने मधुर हास्य परोसता था। इतना ही नहीं, अब तरह-तरह के जोकर मनोरंजन के लिए तैयार थे। चाहे वो चेहरे पर सफेद रंग लगाए हुए जोकर का परम्परागत रूप हो या फिर लाल चेहरे वाले ढीले-ढाले कपड़े पहने हुए ऑगस्ते जोकर। इसके अलावा, अपने रोचक संवादों से दर्शकों का दिल जीतने वाले चॉकलेट जोकर, जिन्हें मेकअप की खास जरूरत नहीं थी। चेहरे का गहरा रंग होने के कारण वे केवल सफेद रंग का इस्तेमाल करते थे। जेम्स मैकइन्टायर और टॉम हीथ ने सन् 1874 में 'ट्रैम्प क्लाउन' को ईजाद किया, जिसमें काले चेहरेवाले अफ्रीकी जोकर के चेहरे पर सफेद रंग लगाया जाता था। अब जोकर डांस भी कर सकता था, जिसे बाद में टैप डांसिंग के नाम से जाना गया। इस तरह धीरे-धीरे दिन बदला, समय बदला और जोकर भी। अब जोकर उत्सवों और कर्निवाल्स में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने लगा था। सारी दुनिया में इस हास्य किरदार ने अपनी पहचान बना ली थी। आज यह संसार के किसी भी कोने में जाना-पहचाना चेहरा है। हमारे देश में इस दिलचस्प किरदार की कोई कमी नहीं।

सर्कस के परदे के पीछे से लेकर 70 एमएम की स्क्रीन तक जोकर को एक एलग पहचान मिली। ऐसे में सन् 1970 में राज कपूर द्वारा निर्मित एवं निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' को कैसे भुलाया जा सकता है। यह भारत में जोकर समुदाय पर बनी बेहतरीन फिल्मों में से एक है, जिसमें राजकपूर ने बड़ी ही संजीदगी से 'राजू जोकर' की भूमिका को निभाया। इसके अलावा, समय-समय पर लगने वाले सर्कस जोकरी परम्परा को आज भी जीवित रखे हुए हैं। इतना ही नहीं, ताश के 52 पत्तों में भी जोकर की मौजूदगी काफी अहम रहती है। टैरो कार्ड में भी जोकर भविष्य की जानकारी देते हैं। अधिकतर संस्कृतियों में इस किरदार की दखलंदाजी है। आमतौर पर हर जश्न को खुशनुमा बनानेवाले इस शख्स को अलग-अलग नामों से पुकारा जाता है। तो आओ जानते हैं किस देश ने इसे क्या नाम दिया

जोकर भी होते हैं अंधविश्वास के शिकार...

जोकर कभी भी चेहरे पर नीला रंग इस्तेमाल नहीं करते हैं। उनके अनुसार, यह रंग अशुभता की निशानी है। इतना ही नहीं, प्रदर्शन से पहले जोकर अपने साथियों को शुभकामना नहीं देते, ऐसा करना उनके लिए श्राप देने जैसा है।

अलबेली पतंगें

दुनिया भर में कई तरह की अजीबोगरीब पतंगें बनाई जाती हैं और लोग इन्हें बड़े शौक से उड़ाते भी हैं। चलो ऐसी ही कुछ पतंगों के बारे में और जानते हैं-

हवा भरी पतंग (इनफ्लैटेबल्स) - काइट फेस्टिवल्स में सबसे ज्यादा हवा भरी फूली हुई पतंगें दिखायी पड़ती हैं। ये पतंगें अपने बड़े आकार और रंगों के कारण सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। आमतौर पर ये पतंगें नायलॉन या पॉलिस्टर की बनी होती हैं और इन्हें समुद्री जीवों के आकार का बनाया जाता है, जिसके कारण ये बच्चों को बहुत पसंद आती हैं। इन्हें बनाने में मेहनत अधिक लगती है। हालांकि ये आगे की ओर से ज्यादा फूली हुई होती हैं, पर इन्हें इस तरह बनाया जाता है, जिससे पतंग के हर हिस्से पर हवा का दबाव संतुलित रहे।

पैराफॉएल्स - पैराफॉएल्स पतंगें दिखने में पैराशूट की तरह लगती हैं। ये कई तरह की होती हैं, पर पतंगों के जमघट में सबसे ऊंची दिखायी पड़ने वाली पतंग है सिंगल लाइन पैराफॉएल। ये पतंग दिखने में ऐसी लगती है मानो कोई फूली हुई चटाई हवा में उड़ रही हो। ये पतंगें लंबी धारियों वाले सेल्स में विभाजित होती हैं, जैसा कि पैराग्लाइडर्स में होता है। डबल लाइन और क्रैड लाइन पतंगें औरों से ज्यादा हार्ड होती हैं। आमतौर पर इनके साथ दूसरी चीजों को जोड़कर उड़ाया जाता है।

डेल्टास - मंद हवा में बड़ी शान से खूब ऊंचाई पर उड़ने वाली हैं ये पतंगें। नीचे से देखने पर पक्षी की तरह दिखने वाले ये बड़े डेल्टा फाइबरग्लास रॉड्स या ट्यूब्स के साथ हल्के पर मजबूत नायलॉन के कपड़े से बने होते हैं। आमतौर पर ये डेल्टास त्रिभुजाकार होते हैं। हालांकि इनमें टेल नहीं होती, पर बहुत बड़े आकार वाले डेल्टा के लिए पतंग के पीछे बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए इन्हें अलग-अलग शेप दी जाती हैं।

रोक्काकूस - हवा में मजबूती से टिकने के मामले में ये पतंगें डेल्टा पतंगों को मात देती हैं। इन पतंगों की शुरुआत जापान से हुई थी, पर अब इन्हें हर जगह पसंद किया जाता है। डेल्टा की तुलना में ये सस्ती भी होती हैं और देर तक साथ भी देती हैं। अच्छी डेल्टा पतंगों की तरह इन्हें भी टेल की जरूरत नहीं होती। इन्हें आकर्षक बनाने के लिए 3डी डिजाइन का लुक भी दिया जाता है।

सेल्युलर या बॉक्स काइट्स - इन पतंगों में एक या दो से अधिक सेल आगे की ओर होते हैं और इसी के संतुलन में पीछे भी वैसा डिजाइन बनाया जाता है। कुछ लोग इसे डायमंड कट्स वाली पतंग भी कहते हैं।

डायमंड्स - पश्चिमी देशों में इस पतंग को सबसे अधिक पसंद किया जाता है। यह पतंग चटक रंगों से बनी होती है और इस पर मनोरंजक और हंसाने वाले डिजाइन बनाए होते हैं। अच्छी तरह उड़ान भरने के लिए इसके पीछे टेल लगायी जाती है। डेल्टा की महंगी पतंगों की तरह देखने में यह भले ही उतनी सुंदर न हो, पर बच्चों से लेकर बड़े तक इस पतंग को आसानी से उड़ा सकते हैं। यह छोटे-बड़े सभी आकारों की होती है।

ट्रेडिशनल पतंगें - पतंग महोत्सव में कुछ पतंगें ऐसी भी होती हैं, जो किसी खास पहचान से जुड़ी होती हैं। आमतौर पर इन्हें नेचुरल मैटीरियल से बनाया जाता है। उदाहरण के लिए इंडोनेशिया की बुलान पतंगें अपनी शेप और उन पर बने ट्रेडिशनल डिजाइन के कारण बहुत ऊंचाई पर उड़ने के बावजूद सबसे अलग दिखती हैं। बाली, थाईलैंड, ताइवान, कोरिया, जापान और न्यूजीलैंड की ट्रेडिशनल पतंगों को खासतौर पर पसंद किया जाता है।

कैसे उड़ती रहती हैं पतंग

हवा के संग ऊंची उड़ती पतंगों को देखकर तुम्हारे मन में भी जरूर आता होगा कि ये पतंगें बिना ईंधन यानी बिना फ्यूल के कैसे हवा में उड़ती चली जाती हैं? इसके दो कारण हैं, पहला ग्रेविटी (गुरुत्वाकर्षण बल) और दूसरा लिफ्ट (ऊंचा उठाना)। ग्रेविटी यानी वह बल जो ऊपर फेंकी किसी भी चीज को नीचे खींचता है। अब यदि ऊपर उड़ती हुई पतंग ग्रेविटी के बावजूद नीचे नहीं आती तो इसका कारण है हवा से उसे मिलने वाली लिफ्ट। हवा उसे अपने दबाव के साथ ऊंचे ऊपर उठाती रहती है।

पतंग उड़ाने के फायदे

यदि तुम पूरा दिन कंप्यूटर पर गेम खेलने और टीवी पर कार्टून देखने में बिताते हो तो पतंग उड़ाना एक अच्छे ब्रेक का काम करेगा। इससे आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे दोस्तों के साथ खेलते समय समूह में काम करना आता है। धागे पर नजर बनाकर रखते हुए पतंग की ओर लगातार देखना नजर को तेज करता है, साथ ही फोकस करने की क्षमता भी बढ़ती है। गर्दन का व्यायाम होता है। ताजी हवा सांस के जरिए शरीर में

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जिलाभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लोहड़ी पर्व

कठुआ 13 जनवरी (हि.स.)। जिले भर में लोहड़ी पर्व धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्राचीन परंपरा के अनुसार लोहड़ी जलाई गई व उसमें तिल व मूंगफली आदि डालकर परंपरागत गीत गए।

इसी प्रकार मंदिरों में भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम हुए, जिनमें लोगों को लोहड़ी के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। वहीं मूंगफली व रेवड़ी बांटी गई। इस अवसर पर शहर के विभिन्न वार्डों में उपस्थित लोगों ने खूब नाच गाकर लोहड़ी पर्व को मनाया। इस अवसर पर शहर में कई कार्यक्रम के दौरान गीत गाकर कार्यक्रम में समां बांधा।

वहीं एसएसपी कठुआ और डीसी कठुआ ने शहरवासियों को लोहड़ी पर्व की बधाई दी। वार्ड चार में स्थित महाकलेश्वर मंदिर के पुजारी अशोक कुमार ने बताया कि इस दिन लोग अपने घर-परिवार एवं राष्ट्र की सुख समृद्धि के लिए मन्नते मांगते हैं। वहीं लोहड़ी एवं मकर संक्रांति पर्व भाईचारे के लिए आदर्श पर्व माना जाता है। उन्होंने मकर संक्रांति के दिन की महत्वत्ता बताते हुए कहा कि इस पर्व पर सूर्य और पृथ्वी के बीच भौगोलिक परिवर्तन हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमें इस पर्व को भाईचारे व एक दूसरे के प्रति सौहार्द की भावना को कायम रखते हुए मनाना चाहिए।

भाजपा ने जम्मू में अपने मुख्यालय में पारंपरिक उत्साह के साथ लोहड़ी मनाई

जम्मू 13 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जम्मू और कश्मीर ने त्रिकुटा नगर जम्मू में अपने मुख्यालय में पारंपरिक उत्साह के साथ लोहड़ी मनाई। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महासचिव अशोक कौल, पूर्व उपमुख्यमंत्री कविंदर गुप्ता, भाजपा उपाध्यक्ष और विधायक युद्धवीर सेठी, विधायक अरविंद गुप्ता, भाजपा एनईएम प्रिया सेठी, अयोध्या गुप्ता, बलदेव सिंह बिलावरिया, तिलक गुप्ता, बलबीर राम रतन, डॉ प्रदीप महोत्रा, संजीता डोगरा, नरेश सिंह जसरोटिया, प्रोफेसर कुलभूषण मोहत्रा, अजय परगाल, विनय गुप्ता और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अच्छे भाग्य, बंपर फसल और ब्रह्मांड में शांति की प्रार्थना करते हुए मानव जाति को लोहड़ी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को पारंपरिक मेवे और मिठाइयाँ भी भेंट कीं। अशोक कौल ने कहा कि लोहड़ी का त्योहार सर्दियों की फसलों की कटाई का संकेत देता है गर्मी के लिए सूर्य देव का सम्मान करता है और मकर संक्रांति के उत्सव के साथ दिनों को लंबा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि लोहड़ी मनाना हमेशा ही सुखद होता है क्योंकि यह त्योहार हमारे बीच भाईचारे का प्रतीक है और मौसम में होने वाला बदलाव पूरे विश्व के लिए सौभाग्य की आशा जगाता है। उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए कहा कि लोहड़ी हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाता है और लोगों से ऐसे अवसरों को अपने सभी प्रियजनों के साथ मिलजुल कर मनाने का आह्वान किया। उन्होंने जम्मू.कश्मीर में शांति के लिए प्रार्थना की और क्षेत्र में आतंकवाद और हिंसा की निंदा की। कविन्द्र गुप्ता ने सभी कोए खासकर जम्मू.कश्मीर के निवासियों को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं देते हुए जम्मू.कश्मीर की खुशहाली की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि यह त्योहार प्रकृति, भरपूर फसल और मानव के प्रति अगाध प्रेम को दर्शाता है और सभी जीवों के बीच सक्रियता का प्रतीक है।

राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का समापन, जम्मू-कश्मीर दूसरे स्थान पर रहा

जम्मू 13 जनवरी। राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2024-25 का न्यू इंडोर स्टेडियम, एम.ए. स्टेडियम जम्मू में समापन हुआ, जिसमें महाराष्ट्र ने चैंपियनशिप का खिताब जीता, उसके बाद गुजरात दूसरे स्थान पर रहा और मेजबान टीम जम्मू-कश्मीर दूसरे उप-विजेता स्थान पर रही। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा जिम्नास्टिक फेडरेशन ऑफ इंडिया और जम्मू-कश्मीर जिम्नास्टिक एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस चैंपियनशिप में 20 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और बोर्डों का प्रतिनिधित्व करने वाले 500 से अधिक एथलीटों और अधिकारियों ने भाग लिया। इस आयोजन ने जम्मू-कश्मीर को महत्वपूर्ण पहचान दिलाई, क्योंकि इसके दो जिम्नास्ट रुद्राक्ष खन्ना और रिया शर्मा को प्रतिष्ठित एफआईजी सुजुकी विश्व कप के लिए चुना गया, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। युवा सेवा एवं खेल सचिव सरमद हफीज ने जम्मू-कश्मीर टीम की उपलब्धियों और चैंपियनशिप की सफल मेजबानी पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, इस आयोजन ने न केवल प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, बल्कि खेल भावना और एकता को भी बढ़ावा दिया है। जम्मू-कश्मीर खेल परिषद की सचिव नुजहत गुल ने पुरस्कार वितरित करते हुए जम्मू-कश्मीर के एथलीटों और उनके कोचों के प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि इस तरह की राष्ट्रीय चैंपियनशिप एथलीटों को अपनी योग्यता साबित करने का एक मंच प्रदान करती है। उन्होंने आगे आश्वासन दिया कि जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा पूरे वर्ष इस तरह के और भी आयोजन और मेजबानी की जाएगी। जीएफआई के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर जिमनास्टिक एसोसिएशन के अध्यक्ष किरण वट्टल ने टूर्नामेंट के दौरान जम्मू-कश्मीर खेल परिषद को उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि प्रशिक्षण शिविरों और राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए जम्मू-कश्मीर जीएफआई की शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है।

गंग्याल में पैंतीस वर्षों से सामूहिक लोहड़ी का आयोजन हो रहा

जम्मू 13 जनवरी (हि.स.)। जम्मू के गंग्याल में पैंतीस वर्षों से सामूहिक लोहड़ी का आयोजन हो रहा है लेकिन इस बार इसे अनूठे तरीके से मनाया गया। लोहड़ी जलाने के साथ यहां लोगों के लिए प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शिविर लगाया गया। लोहड़ी के गीतों के साथ यहां दर्जन भर लोगों के नाम इस योजना के लिए पंजीकृत किए गए। राम लीला ग्राउंड गंग्याल में डोगरा सेवा संभाल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस लोहड़ी मिलन कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे। लोहड़ी पर सांस्कृतिक गीतों के साथ ढोल की थाप पर बच्चे, बूढे सब थिरक उठे। सभी ने एक.दूसरे को लोहड़ी की बधाई और फिर सामूहिक लोहड़ी जलाई गई जिसमें सभी ने सूर्य देवता को आहुतियां दीं। ट्रस्ट के प्रधान राजीव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बलोरिया, चौंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष अरुण गुप्ता और पद्मश्री एसपी वर्मा विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बलोरिया के प्रयासों से बिजली विभाग के अधिकारी व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। लोहड़ी की खुशियां मनाने के साथ लोगों के लिए यहां शिविर लगाया गया जिसमें लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत सोलर लाइट्स लगाने के लिए जागरूक और प्रेरित किया गया। दर्जन के करीब लोगों ने मौके पर ही अपने नाम भी पंजीकृत करवाए। लोहड़ी की खुशियों को दोगुना करता यह प्रयास हर किसी को आकर्षित कर गया। लोग लोहड़ी की मुबारक देते हुए शिविर में जागरूक इस योजना का लाभ लेने के लिए आतुर दिखे। एक्सईएन अशोक कुमार छिब्बर, एईई मंजीत सिंह, जेई आईसी सिंह, एई आशुतोष शर्मा के अलावा क्षेत्र के संबंधित मीटर रीडर, लाइनमैन भी कार्यक्रम का हिस्सा बने। लोहड़ी जलाने के साथ लोगों को जागरूक करते हुए कर्मचारियों, अधिकारियों ने सभी से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में बलोरिया ने लोगों को लोहड़ी की मुबारक देते हुए लोहड़ी के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सूर्य के प्रकाश व अन्य प्राकृतिक तत्वों से तैयार हुई फसल के उल्लास में लोग एकजुट होकर यह पर्व मनाते हैं। यह पर्व समाज में आपसी सद्भाव और प्रेम को भी दर्शाता है। इस अवसर पर सभी ने अग्नि देव को रेवड़ी और मूंगफली अर्पित करते हुए शुभकामनाएं दीं। वहीं चौंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने भी लोहड़ी पर्व की बधाई देते हुए इस तरह के सामूहिक कार्यक्रमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे पर्व, त्यौहार, मेले आपसी भाईचारा बनाए रखने एवं प्यार की भावना पैदा करने में अहम योगदान अदा करते हैं इसलिए ऐसे पर्व मिलजुल कर मनाने चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का यह प्रयास दूरदर्शिता और एकजुटता का प्रतीक है। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने पिछले वर्षों में हुए ट्रस्ट द्वारा किया गए प्रमुख कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में डोगरा सेवा संभाल ट्रस्ट द्वारा सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

हंदवाड़ा पुलिस ने 38 बैग मिर्च की जब्त

जम्मू, 13 जनवरी (हि.स.)। विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए तथा पुलिस अधीक्षक हंदवाड़ा के निर्देशों के तहत हंदवाड़ा पुलिस द्वारा एक सफल अभियान चलाया गया जिसके परिणामस्वरूप बाजार में बेचे जा रहे घटिया और एक्सपायर हो चुके लाल मिर्च पाउडर की बड़ी मात्रा जब्त की गई।

इस अभियान का नेतृत्व डीएसपी हंदवाड़ा हामिद बंदे, एसएचओ हंदवाड़ा सोफी विलायत और नायब तहसीलदार हंदवाड़ा गुलाम मोहम्मद ने किया। अभियान के दौरान खाद्य प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाने वाले एक्सपायर हो चुके और घटिया लाल मिर्च पाउडर के 38 बैग जब्त किए गए।

अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करना और निवासियों के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जब्त की गई खेप को इसकी गुणवत्ता और सुरक्षा की पुष्टि के लिए आगे के परीक्षण के लिए भेजा गया है। इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है, और इन हानिकारक उत्पादों की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार लोगों और स्रोत की पहचान करने के लिए जांच जारी है। हंदवाड़ा पुलिस समुदाय को ऐसी प्रथाओं से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है और नागरिकों से आग्रह करती है कि वे क्षेत्र में सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में मदद करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध या घटिया खाद्य पदार्थ की सूचना दें।

उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए विशेष कार्यक्रम

राजौरी 13 जनवरी। जिला प्रशासन राजौरी ने उपायुक्त अभिषेक शर्मा के निर्देश पर और जम्मू-कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने के लिए एक मंच प्रदान करने हेतु सलानी बस स्टैंड पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया।

इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के बारे में आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को कार्यक्रम से जुड़ने और लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम में एसएचजी सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिन्होंने हस्तशिल्प से लेकर जैविक वस्तुओं तक विभिन्न स्थानीय रूप से निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया।

उपायुक्त ने एसएचजी सदस्यों की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ाने और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा करने में ऐसे प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर को उत्सव की भावना से भरते हुए, एसएचजी सदस्यों और जनता के साथ लोहड़ी मनाई गई। पारंपरिक गीत, नृत्य और लोहड़ी की आग जलाकर उत्सव मनाया गया, जिससे एक जीवंत माहौल बना और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा मिला। इस कार्यक्रम में आजीविका के अवसरों और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया। एनआरएलएम योजना के तहत व्यापक लाभ सुनिश्चित करने के लिए अन्य क्षेत्रों में भी ऐसी पहलों को आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

डीसी और एसएसपी कठुआ ने जिलावासियों को दी लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं

कठुआ 13 जनवरी (हि.स.)। लोहड़ी पर्व के अवसर पर उपायुक्त कठुआ राकेश मिन्हास आईएएस ने जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ साथ जिलावासियों को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह त्यौहार लोगों के जीवन में अधिक खुशियाँ, समृद्धि और शांति लाएगा और नकारात्मकता की हर लकीर को जला दे। इसी प्रकार एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना आईपीएस ने कठुआ पुलिस की ओर से शहीद पुलिस कर्मियों के परिवारों, आम जनता के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हमें इस पर्व को भाईचारे व एक दूसरे के प्रति सौहार्द की भावना को कायम रखते हुए मनाना चाहिए।

डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा में मनाया गया लोहड़ी का पर्व

जम्मू, 13 जनवरी (हि.स.)। डोगरा ब्राह्मण प्रतिनिधि सभा परेड, जम्मू द्वारा आजा लोहरी का त्यौहार पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। डीबीपीएस जम्मू के अध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में सभा के परिसर में एक धार्मिक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष सत शर्मा थे, जबकि जम्मू पूर्व के विधायक युद्धवीर सेठी विशिष्ट अतिथि थे।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री प्रिया सेठी, एनएमसी अध्यक्ष सुभाष शास्त्री, पूर्व नौकरशाह सौजन्य शर्मा, पूर्व चेयरमैन जम्मू-कश्मीर राकेश कुमार छिब्बर, और विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की सभी धर्मों के त्योहारों को बड़े सम्मान के साथ मनाने की परंपरा है। इस प्रकार के त्योह ार लोगों के बीच भाईचारे के बंधन को मजबूत करते हैं। पारंपरिक अग्नि जलाई गई और विभिन्न मेवे और मिठाइयाँ चढ़ाई गईं। उत्साही कार्यकर्ताओं ने ढोल की थाप पर भांगड़ा किया और एक-दूसरे को इस अवसर की बधाई दी।

एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व किया

जम्मू, 13 जनवरी (हि.स.)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करने के लिए रियासी जिले के चसाना में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल में स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जो प्रकृति की रक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के हरित आवरण को बढ़ाने और पर्यावरणीय क्षरण से निपटने के उद्देश्य से निर्दिष्ट क्षेत्रों में देशी और फलदार वृक्षों के पौधे लगाए गए। अभियान ने पारिस्थितिक संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रतिभागियों को लगाए गए पौधों की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की सुरक्षा में उनकी भूमिका पर जोर दिया गया। यह अभियान भारतीय सेना के सतत विकास को बढ़ावा देने और स्थानीय आबादी के बीच पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप है। अपने पारिस्थितिक लक्ष्यों से परे वृक्षारोपण अभियान ने भारतीय सेना और समुदाय के बीच बंधन को गहरा करने, आपसी विश्वास और सहयोग को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

विश्व स्थली संगठन ने विवेकानंद जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम किया आयोजित

जम्मू, 13 जनवरी (हि.स.)। विशवसथली संगठन द्वारा विवेकानंद जयंती के 23 वर्ष पर दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में प्रिंसिपल सेक्रेटरी कलचर व शिक्षा जम्मू कश्मीर आईएफएस सुरेश कुमार गुप्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा एसीबी के निर्देशक शक्ति पाठक विधायक ठाकुर दर्शन सिंह, जिला विकास परिषद के अध्यक्ष महान सिंह ,जम्मू कश्मीर प्रदेश यूथ कांग्रेस के स्टेट प्रेसिडेंट आकाश भारत बसोहली बनी विकास प्राधिकरण के सीईओ अजीत सिंह, एसडीपीओ बसोहली सुरेश शर्मा और नगर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सुमेश सपोलिया और अन्य उपस्थित रहे दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले और दूसरे दिन की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य और विशेष अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करवाई।

27 स्कूलों के करीब 300 विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया जम्मू कठुआ उधमपुर और विभिन्न स्थान से आए विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियां दी और चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व विशेष अतिथियों द्वारा समृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित मुख्य अतिथि प्रिंसिपल सेक्रेटरी कलर शिक्षा जम्मू कश्मीर सुरेश कुमार गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि

संस्कृति का संयोजन और संस्कृति को बढ़ावा देने का जो कार्य जो विश्वसथली संगठन कर रहा है वह सराहनीय है, विशवसथली का इसमे जो भूमिका है वह हम सबके लिए प्रेरणादायक है बाकी जगहों के लोगों को भी यह देखना चाहिए की विशवसथली और यहा के लोग किस तरह अपनी संस्कृति को बढ़ावा देने और उसे संयोजन का कार्य कर रहे है। अटल सेतु, पुरथु की प्रसिद्धि के साथ-साथ बसौली की ऐतिहासिक धरोहरे और संस्कृति देश भर में प्रसिद्ध हो रही है। प्रिंसिपल सेक्रेटरी ने कहा कि मुझे आशा है कि आने वाले समय में बसोहली डुगगर की संस्कृति का नेतृत्व करेगी और उसे किस तरह से आगे ले जाना है इसके लिए बसोहली एक मॉडल के रूप में पूरे जम्मू कश्मीर में उभर कर आगे आएगी।

एनआरएलएम और अन्य विभागों ने पुंछ में लोहड़ी उत्सव मनाने के लिए सहयोग किया

पुंछ 13 जनवरी। लोहड़ी उत्सव के एक जीवंत उत्सव में, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग ने वन, बागवानी, पुष्प कृषि, ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि, भेड़पालन और पशुपालन सहित अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर पुंछ के परेड पार्क में विभागीय स्टॉल लगाए।

उपायुक्त विकास कुंडल के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन सहायक आयुक्त राजस्व कदीर उल रहमान ने किया। उद्घाटन के बाद, एसीआर ने स्टॉल का निरीक्षण किया और पुंछ के निवासियों को होली उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस सहयोगात्मक प्रयास ने न केवल समुदाय के लिए उपलब्ध विविध पहलों और संसाधनों को प्रदर्शित किया, बल्कि पुंछ के लोगों के बीच एकता और उत्सव की भावना को भी बढ़ावा दिया। इस कार्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली और इसने समुदाय के सांस्.तिक कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया।

IAS/JKAS
FRESH BATCHES
• General Studies, CSAT & Optionals
• Test Series- Prelims/Mains (Online/Offline)
• Exclusive Batches for Essay Writing
• One to One Mentorship Sessions
Upcoming Events
• Mega Scholarship Test on 25th Jan, 2025
• Essay writing Competition on 12th Jan, 2025
9103456098, 9622288178, 7006612968
SR COLLEGE OF COMPETITIONS
10 A/C, GANDHI NAGAR, JAMMU

'भाजपा जम्मू-कश्मीर में विकास, एकता और लोगों के कल्याण के लिए काम करने वाली एकमात्र राजनीतिक पार्टी'

जम्मू 13 जनवरी (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर में विकास, एकता और लोगों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करने वाली एकमात्र राजनीतिक पार्टी है। भाजपा का विजन और प्रतिबद्धता एक मजबूत और अधिक प्रगतिशील क्षेत्र का मार्ग प्रशस्त करना जारी रखती है यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक नागरिक की आवाज सुनी जाए और उसे महत्व दिया जाए। यह बातें जम्मू.कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता डॉ. ताहिर चौधरी, डॉ. प्रदीप महोत्रा, जम्मू-कश्मीर भाजपा और भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश सिंह जसरोटिया के साथ पार्टी मुख्यालय त्रिकुटा नगर जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए की गई। ताहिर चौधरी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की जन.केंद्रित नीतियों के कारण लोगों के भाजपा के प्रति प्यार के लिए राजनीतिक असुरक्षा की भावना महसूस करते हुए एनसी के क्षेत्रीय नेतृत्व ने एक झूठी कहानी गढ़नी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि जम्मू के साथ.साथ कश्मीर के लोग क्षेत्र में विकासोन्मुखी बदलावों की सराहना कर रहे हैं जिसे स्थानीय नेतृत्व पसंद कर रहा है और एनसी के नेतृत्व को इससे नफरत है। आज कश्मीर भाजपा की ओर बढ़ रहा है। कश्मीर में पार्टी से बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं। लोग रोजाना बड़ी संख्या में पार्टी कार्यालय आ रहे हैं। भाजपा एकमात्र राजनीतिक दल है जो कश्मीर में विकास, एकता और लोगों के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है और स्थानीय लोगों के मुद्दों को सुलझा रहा है। जम्मू और कश्मीर के आम लोगों का भाजपा में दृढ़ विश्वास है। लोग मोदी सरकार के सुशासन की सराहना कर रहे हैं जिसने कश्मीर में नफरत की राजनीति को सफलतापूर्वक रोक दिया है। पेलेट गन, हड़ताल कैलेंडर और खून.खराबे को रोका। अब स्कूल, कॉलेज और बाजार सुचारू रूप से चल रहे हैं। आतंकवादियों ने कश्मीर में शांति और प्रगति के लिए काम करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं और अन्य राष्ट्रवादी लोगों के पूरे परिवारों को मार डाला लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं ने कभी नहीं रोका।

संपादकीय

राजौरी में रहस्यमय बीमारी: स्वास्थ्य विभाग की नाकामी

राजौरी जिले में पिछले साल दिसंबर से कथित तौर पर एक रहस्यमय बीमारी के कारण लोगों की जान जाने की गंभीर स्थिति ने जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य विभाग पर बड़ा सवालिया निशान लगा दिया है, क्योंकि इस 'अस्पष्ट' बीमारी के कारण दस लोगों की जान जा चुकी है और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार विभाग के संबंधित विभाग को अभी भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

जबकि अज्ञात बीमारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को परेशान कर रही है, राजौरी जिले के कोटरंका उप-मंडल में बुधल तहसील के बदहाल गांव के लारकोटी गांव में एक ही अज्ञात बीमारी के कारण एक ही परिवार के दो और बच्चों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य भाई-बहनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, क्योंकि वे गंभीर रूप से बीमार हो गए थे। पिछले साल दिसंबर में दो अलग-अलग परिवारों के आठ सदस्यों की रहस्यमय बीमारी के कारण मौत हो गई थी।

एक दिन पहले मरने वाले दो भाई-बहन एक लड़की और उसका भाई थे, जिससे अधिकारियों के लिए चीजें उलझन में पड़ गई हैं क्योंकि इस क्षेत्र में इन मौतों पर रहस्य छाया हुआ है।

यहां यह बताना उचित होगा कि स्वास्थ्य विभाग यह दावा करने के अलावा कि ये मौतें किसी वायरल संक्रमण के कारण हुई हैं, इस क्षेत्र में फैल रही इस बेरहम बीमारी की प्रकृति और नामकरण के बारे में कुछ नहीं जानता। उल्लेखनीय है कि पुणे के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी, पीजीआई चंडीगढ़, एम्स दिल्ली और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी), दिल्ली के विशेषज्ञों की विभिन्न टीमों ने भी जांच में सहायता के लिए गांव का दौरा किया था, लेकिन आज तक कुछ भी सामने नहीं आया है, जिससे यह एक रहस्यमय मामला बन गया है, जहां क्षेत्र के विशेषज्ञ भी बड़े पैमाने पर मौतों का कारण बनने वाली बीमारी का पता लगाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि स्वास्थ्य विभाग इस मामले में उचित कार्रवाई करने में विफल रहा है, क्योंकि एक महीना बीत जाने के बावजूद भी चीजें अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई हैं और लोग जान गंवा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए यह आवश्यक है कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला हस्तक्षेप करें तथा बीमारी की वास्तविक प्रकृति और मौतों के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं, क्योंकि मामले को दबाए रखना बिल्कुल भी उचित नहीं है, क्योंकि सबसे खराब स्थिति में समस्या खतरनाक रूप ले सकती है, इसलिए यदि राष्ट्रीय स्तर की टीमें अपना काम करने में विफल रही हैं, तो अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेने की आवश्यकता है, क्योंकि मामले को संभालने का वर्तमान तरीका लापरवाही भरा और लापरवाह प्रतीत होता है।

महाकुंभ 2025- जहां परंपरा और परिवर्तन आत्मरसात होते हैं

-अमिताभ कांत

कुंभ मेला, विश्वह के सबसे बड़े धार्मिक समागमों में से एक हैऔर यह आस्था, एकता और मानवता के ईश्वर से शाश्वत संबंध का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं में निहित, यह चार पवित्र स्थलों- प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक- पर अमरता का अमृत छलकने का स्मतरण दिलाता है।सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति ग्रहों कीएक विशिष्टव ब्रह्मांडीय स्थिति के दौरानआकाशीय संरेखण द्वारा इसका निर्धारण होता है। कुंभ मेले में शुद्धि और मोक्ष की अभिलाषा के साथ प्रत्येदक12वर्ष में लाखों श्रद्धालु पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्रित होते हैं।समय बीतने के साथ-साथ कुंभ मेला विकसित हुआ और इसमें प्राचीन परंपराओं को आधुनिक नवाचारों के साथ जोड़ा गया।

4 फरवरी, 2019 काकुंभ मेला, मानवता के अब तक के सबसे व्यापपकऔर शांतिपूर्ण समागम का साक्षी बना। आध्यात्मिकता में पूर्ण रूप से निहित यह विशिष्टत आयोजन आस्था, समुदाय और वाणिज्य का उत्सव है। मेलों, शैक्षिक कार्यक्रमों, संतप्रवचनों, भिक्षुओं के सामूहिक समारोहों और विविध मनोरंजन के साथकुंभ मेला भारतीय समाज के जीवंत लोकाचार का उदाहरण है।

प्रयागराज में वर्ष 2019 का संस्करण विशेष रूप से उल्लेखनीय था, जिसमें 50 दिनों के दौरान अनुमानित 24 करोड़ आगंतुकों ने भागीदारी की। इनमें से 4 फरवरी को ही 3 करोड़श्रद्धालु शामिल हुए। प्रसिद्ध गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर आयोजितकिए गए कुंभ की तैयारियों में 3,200 हेक्टेयर में फैले विशाल टेंट क्षेत्र के साथ 440 किलोमीटर की अस्थायी सड़कें, 22 पंटून पुल, लगभग 50,000 एलईडी स्ट्रीटलाइट और व्यापक स्वच्छता बुनियादी ढांचा शामिल था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्रद मोदी का वर्ष 2019 में कुंभ मेले का दौरा आयोजकों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भाव था, जिन्होंने इस आयोजन को वैश्विक स्तर पर सफल बनाया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने स्वच्छ ता कर्मचारियों को सम्मानित किया, सम्मान के प्रतीक के रूप में उनके चरण धोए। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन की भावना को पुष्टन बनाते हुए कहा, 卐कर्मठस्वेच्छ्ता कर्मियों का सम्मान करते हुए... मैं स्वच्छ भारत की दिशा में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का अभिवादन करता हूं।卐

वर्ष 2019 के कुंभ ने स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छ्ता के लिए नए मानक स्थापित किए। वर्ष 2013 में सिर्फ़ 5,000 सामुदायिक शौचालयों की तुलना में, वर्ष 2019 के आयोजन में 122,500 शौचालय निर्मित किए गए, साथ ही 20,000 डस्टबिन और 160 कचरा उठाने वाली गाड़ियों की व्यवस्थात की गई। साफ-सफाईके लिए वाटर जेट स्प्रे मशीन जैसे अभिनव उपायों ने पानी की बर्बादी को काफी हद तक कम किया और स्वकच्छकता कार्य को आसान बनाया।

शौचालयों को सुगमता के लिए रणनीतिक रूप से रखा गया था और इसमें लिंग-विशिष्ट और दिव्यांगता-अनुकूल डिज़ाइन शामिल थे। महिलाकर्मियोंकी सेवा के माध्यसम से महिलाओं के लिए पिंक शौचालयजबकि बुजुर्गों के अनुकूल शौचालय संचालितकिए गए। सीवेज टैंकों की शुरूआत के साथ इनके उपयोग नेनदी में होने वाले प्रदूषण के जोखिम को समाप्त कर दिया।

इन शौचालयों की दुर्गंध को दूर करने के लिए एक नवीन तकनीक अपनाई गई थी जिसका पहली बार वर्ष 2018 माघ मेले के दौरान परीक्षण किया गया था और फिर कुंभ 2019 में इसको उपयोग में लाया गया। इसके लिए छात्र शोधकर्ता मेला स्थफल पर ही प्रतिदिन लगभग 65,000 लीटर दुर्गंधनाशक द्रव्ये तैयार कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, स्वच्छाग्रहियों (स्वच्छता स्वयंसेवकों) ने स्वच्छता बनाए रखने और शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आईओटी-सक्षम मोबाइल ऐप से लैस, इन स्वयंसेवकों ने विशाल मैदान में 60,000 शौचालयों की निगरानी की, जिससे वास्तविक समय में ही समस्या का समाधान सुनिश्चित किया गया। इस पहल ने न केवल परिचालन दक्षता को बढ़ाया बल्कि स्वयंसेवकों को सशक्त भी बनाया, जिनमें से कई युवा और महिलाएं शामिल थीं।

वर्ष 2017 में, यूनेस्को ने कुंभ मेले को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया। वर्ष 2019 का संस्करण इस सम्मान पर खरा उतरा, जिसमें भारत की अद्वितीय व्यावपकता और महत्व के आयोजनों की क्षमता का प्रदर्शन किया गया था।

वर्ष 2025प्रयागराज में महाकुंभ मेले में दुनिया भर से 30करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों के आने की आशा है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अत्यीत व्योपक स्तकर पर की गई तैयारियां अभूतपूर्व हैं। महाकुंभ की पवित्रता को बनाए रखने के साथ-साथ इसके वैश्विक स्व रूप को बढ़ाने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटूट है। बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की नियमित समीक्षा से लेकर तीर्थयात्रियों के कल्याण को सुनिश्चित करने तक का उनका व्यावहारिक दृष्टिकोण, दोषरहित निष्पादन के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री का विजन सामुदायिक भागीदारी पर भी जोर देता है।वर्ष 2019के अभूतपूर्व मेले की सफलताओं से प्रेरणा लेते हुए आगामी संस्करण में भक्ति, प्रौद्योगिकी और स्थिरता का एक सहज मिश्रण किए जाने का वादा किया गया हैऔर यह नए वैश्विक मानक भी स्थापित करेगा।

ध्यापन देने योग्यन विषयों में एक प्रमुख व्यपवस्था स्थल और पहुंच का विस्तार करने से भी जुड़ी है। भीड़भाड़ से बचने के लिए उन्नत भीड़ प्रबंधन तकनीकों द्वारा समर्थित, व्यस्त दिनों में भी सुरक्षित और व्यवस्थित स्नान को सक्षम करने के लिए घाटों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। प्रयागराज को प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली विशेष रेलगाड़ियों और बेहतर रेलवे नेटवर्क के साथ परिवहन बुनियादी ढांचे को बढ़ाया जा रहा है। भारी वाहनों के यातायात को प्रबंधित करने के लिए मल्टी-लेन राजमार्ग, उन्नत चौराहे और विस्तारित पार्किंग क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, प्रयागराज हवाई अड्डे का विस्तार किया जा रहा है ताकि बढ़ी हुई यात्री क्षमता को संभाला जा सके, साथ ही अंतरराष्ट्रीय तीर्थयात्रियों के लिए चार्टर्ड उड़ानों का भी शुभारंभ किया जा रहा है। लाखों तीर्थयात्रियों की सेवा के लिए, अभूतपूर्व पैमाने पर सार्वजनिक सुविधाओं को उन्नत किया जा रहा है। 50,000 से अधिक पर्यावरण अनुकूल शौचालय और पोर्टेबल स्वच्छता इकाइयां स्वच्छ्ता और सुविधा सुनिश्चित करेंगी। स्वच्छ पेयजल सुविधाएं, सौर ऊर्जा से संचालित प्रकाश व्यववस्थाव और विशाल आश्रय गृहभी विकसित किए जा रहे हैं, यह तीर्थयात्रियों के आराम और कल्याण की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। महाकुंभ 2025 के अनुभव को सुखद बनाने में प्रौद्योगिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। ड्रोन द्वारा समर्थित एआई-संचालित भीड़ नियंत्रण प्रणाली, भीड़भाड़ को रोकने के लिए वास्तविक समय पर भीड़ घनत्व की निगरानी करेगी। तीर्थयात्रियों के पास मार्गों, घाटों के समय, मौसम के अपडेट और आपातकालीन सेवाओं के बारे में वास्तविक समय की जानकारी देने वाले समर्पित मोबाइल ऐप तक पहुँच होगी। इसके अलावा, यूपीआई-सक्षम कियोस्क सहित डिजिटल भुगतान प्रणालियों के माध्यम से एक कैशलेस अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगाजिससे विक्रेताओं और तीर्थयात्रियों के लिए लेन-देन सरल हो जाएगा।

वर्ष 2019 में शुभारंभकी गई हरित पहलों पर आधारित, स्थिरता वर्ष 2025 मेले की आधारशिला है। व्यापक रीसाइक्लिंग सिस्टम और खाद निर्माण की सुविधाओं के साथ एक शून्य-अपशिष्ट नीति संचालन का मार्गदर्शन करेगी। प्लास्टिक उपयोग को सख्ती से विनियमित किया जाएगाऔर पैकेजिंग एवं उपयोगिताओं के लिए बायोडिग्रेडेबल विकल्पों को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्नत जल उपचार संयंत्र और वास्तविक समय की गुणवत्ता निगरानी प्रणाली गंगा और यमुना नदियों की पवित्रता सुनिश्चित करेगी, जबकि नदी के किनारों के आसपास बड़े पैमाने पर वनीकरण अभियान का उद्देश्य मिट्टी के कटाव को कम करना और जल प्रतिधारण में सुधार करना है। सौर पैनल और जैव-ऊर्जा प्रणाली जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मेले के बड़े हिस्से को बिजली प्रदान करेंगे, जिससे इसके कार्बन फुटप्रिंट में काफी कमी आएगी।

इस पैमाने के आयोजन के लिए सुरक्षा और संरक्षा सर्वोपरि है। एआई-संवर्धित चेहरे की पहचान तकनीक वाले 10,000 से अधिक सीसीटीवीकैमरे परिसर की निगरानी करेंगे, जबकि पैरामेडिक्स, अग्निशमन सेवा और आपदा प्रतिक्रिया दल सहित हजारों कर्मचारी उनके अलावा सहायता के लिए तैनात रहेंगे। उन्नत चिकित्सा सुविधाओं से लैस और टेलीमेडिसिन सेवाओं द्वारा समर्थित अस्थायी अस्पताल और क्लीनिक, उपस्थित लोगों के लिए समय पर स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करेंगे।

महाकुंभ मेला 2025 एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक प्रदर्शन भी होगा। समर्पित मंडपों में देश भर के पारंपरिक संगीत, नृत्य और कला की प्रस्तुति होगी, साथ ही कुंभ मेले के इतिहास और विज्ञान पर प्रदर्शनियां होंगी, जिन्हें वीआर अनुभवों से लैस किया जाएगा। वैश्विक आध्यात्मिक प्रमुखों और विद्वानों को शामिल करने वाले अंतरधार्मिक संवाद विभिन्न धर्मों के बीच सद्भाव और समझ को बढ़ावा देंगे। कार्यशालाओं, स्विच्छ ता अभियान और स्वयंसेवा के अवसरों सहित युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रमों का उद्देश्य जिम्मेदारी और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देना है। इसकी वैश्विक अपील को बढ़ाने के लिए, बहुभाषी सूचना केंद्र और निर्देशित पर्यटन जैसी पर्यटक-अनुकूल पहल विदेशी आगंतुकों को आकर्षित करेंगी। हेरिटेज वॉक सहित आध्यात्मिक पर्यटन पैकेज, क्षेत्र के समृद्ध इतिहास को उजागर करेंगे। व्हीलचेयर-सुलभ क्षेत्र और व्यक्तिगत सहायता सहित दिव्यांगजनों के लिए समावेशी प्रावधान सभी के लिए स्वागत योग्य वातावरण सुनिश्चित करेंगे। वर्ष 2025 का महाकुंभ मेला एक आध्यात्मिक और उत्कृष्ट प्रबंधन व्यैवस्था के दिव्यय स्वषरूप के साथ तैयार हैऔर यह अभूतपूर्व स्त्र पर आस्था, नवाचार और स्थिरता को एक आयोजन में समाहित करेगा। यह भारत की अपनी प्राचीन परंपराओं का सम्मान करने की क्षमता को दर्शाता है, साथ ही आधुनिक प्रगति को अपनाते हुए विश्व के लाखों लोगों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करता है।

****लेखक भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व मुख्यम कार्यकारी अधिकारी हैं,इस लेख में व्यक्त किए गए उनके विचार व्यक्तिगत हैं।***

14 जनवरी 1958- सीहोर में 356 क्रांतिकारियों का बलिदान

रमेश शर्मा

अंग्रेजी राज से भारत की मुक्ति के लिये 1857 की क्रांति भारत के हर क्षेत्र में हुई, असंख्य बलिदान हुये । बलिदानों की इस श्रृंखला में मध्य प्रदेश का सीहोर नगर भी है जहां अंग्रेज जनरल ह्यूरोज ने 356 सैनिकों को पहले गोली से उड़ाया फिर शवों को पेड़ पर लटकाने का आदेश दिया ताकि क्षेत्र में भय पैदा हो । बलिदानी क्रांतिकारियों के ये शव दो दिनों तक पेड़ों पर लटके रहे थे।

1857 की इस क्रांति का उद्घोष क्रांतिकारी मंगल पांडेय ने 29 मार्च को बंगाल इन्फेन्ट्री से किया था । लेकिन व्यापक रूप से इसकी शुरुआत मेरठ से हुई । 10 मई को मेरठ छावनी से अंग्रेजों का यूनियन जैक उतार दिया गया था । और दिल्ली कूच कर दिया था । भोपाल रियासत में यह क्रांति जून 1857 में आरंभ हुई । भोपाल रियासत के अंतर्गत अंग्रेजों की सैन्य छावनी सीहोर में थी। उन दिनों रियासत में नबाब बेगम सिकन्दर जहां का शासन था । वे अंग्रेजों की समर्थक और उनके आधीन ही अपना राजकाज चला रहीं थीं। रियासत की राजधानी तो भोपाल थी । अंग्रेजी सेना का मुख्यालय सीहोर में था। क्रांति के समय सीहोर की अंग्रेज बटालियन में कुल 1113 सैनिक थे । इनमें 737 पैदल, 363 घुड़सवार और 113 तोपखाने में तैनात थे । अंग्रेज पोलिटिकल एजेंट विलियम फेडरिक का केन्द्र भोपाल था । सीहोर छावनी को कॉन्टिजेन्ट कैंप卐 नाम दिया गया था । इसकी कमान रॉबर्ट हेमिल्टन के हाथ में थी । उनके साथ सीहोर सैन्य छावनी में एक मेजर भी रहते थे ।

बंगाल इन्फेन्ट्री के विद्रोह और अंग्रेजों के दमन के समाचार देश की अन्य छावनियों में जैसे जैसे पहुंच रहे थे, वैसे वैसे क्रांति की सरगरमी बढ़ने लगी थी । अंग्रेज सतर्क हुये और सेना में नई भर्ती आरंभ की । इस भर्ती की शुरुआत पंजाव और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हुई । सभी छावनियों में ये अतिरिक्त सैनिक भेजे गये और बेरिकों में तैनात अंग्रेज अधिकारियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा जाने लगा । सीहोर छावनी में क्रांति की शुरुआत करने वाले महावीर कोठ, रमजूलाल और वली मोहम्मद थे । महावीर कोठ मूलतः राजस्थान के रहने वाले थे । वे महू छावनी में भर्ती हुये और पदोन्नत होकर प्रशिक्षक हो गये । प्रशिक्षक के नाते उनका संपर्क आसपास की छावनियों के सैनिकों से हो गया था । उनका स्थानांतरण सीहोर हुआ । रमजूलाल और वली मोहम्मद से उनका परिचय यहीं हुआ ।

वली मोहम्मद यूं तो नबाब खानदान से ही संबंधित थे लेकिन अंग्रेज मेजर के आधीन सीहोर छावनी में तैनात थे । मेरठ से क्रांति का समाचार पहले महू छावनी आया और महू से सीहोर । इस समाचार के साथ सीहोर छावनी में हलचल बढ़ी । क्राँति के लिये एक बैठक इंदौर में हुई जिसमें नीमच और महू आदि आसपास की विभिन्न छावनियों से सैनिक पहुंचे थे । सीहोर से भी छह सैनिकों की टोली इंदौर गयी। इस टोली का नेतृत्व महावीर कोठ कर रहे थे । इस टोली ने लौटते ही क्रांति की तैयारी आरंभ हुई । भावी रणनीति के लिये क्रांतिकारियों की पहली बड़ी बैठक 13 जून 1857को हुई। सीहोर में अंग्रेज सैनिक और परिवार मिलाकर कुल बीस लोग थे । यह गतिविधियां देखकर सभी अंग्रेज परिवारों ने छावनी छोड़कर भोपाल आने की तैयारी की । क्रांतिकारी सैनिकों ने उन्हें सुरक्षित भोपाल रवाना कर दिया । ये अंग्रेज परिवार भोपाल आये और नबाब बेगम ने सुरक्षा देकर मुम्बई रवाना कर दिया । अंग्रेज परिवारों का सीहोर से जाते ही छावनी से अंग्रेजी ध्वज उतार दिया गया । एक लंबे विचार विमर्श के बाद दो ध्वज फहराये गये । एक भगवा रंग का निशाने महावीरी और दूसरा हरे रंग का निशाने मोहम्मद । इसके साथ विधिवत सिपाही बहादुर सरकार का गठन कर लिया गया । इसकी मुनादी करा दी गई। जो लोग नबाब बेगम या अंग्रेज अधिकारियों को टेक्स देते थे उनसे इस नई सरकार को टेक्स देने का आदेश दिया गया । यह आठ जुलाई 1857 का दिन था । जब सिपाही बहादुर सरकार स्थापित हुई ।

इस सिपाही बहादुर सरकार की कमान महावीर कोठ और वली मोहम्मद के हाथ में थी । 17 जुलाई को बैरसिया में क्रांति हुई और नबाब बेगम सहित अंग्रेजी ध्वज उतार दिया गया । इसके बाद गढ़ी अंबापानी, बाड़ी, बरेली और छीपानेर तक क्रांति का विस्तार हो गया ।

जुलाई माह पूरा होते होते अंग्रेजों के आधीन नबाब बेगम का शासन केवल भोपाल नगर तक सीमित रह गया था । इसका एक कारण ऐसा था कि क्रांतिकारी सैनिकों में एक बड़ा समूह ऐसा था जो अंग्रेजों से तो मुक्ति चाहता था पर उसका सद्भाव नबाब बेगम के प्रति था । इसलिए क्राँति का यह अभियान भोपाल नगर को छोड़कर आसपास फैला ।

क्रांति का दमन करने अंग्रेजों तो पंजाब और रुहेलखंड में सैनिकों की नई भर्ती कर ही रहे थे इधर भोपाल बेगम ने भी दो काम किये । एक ओर मुस्लिम धर्मगुरु सक्रिय किये और दूसरी ओर सैनिकों की भर्ती आरंभ की । मुस्लिम धर्मगुरुओं के प्रभाव से पठान सैनिक क्रांति से अलग हो गये। इससे क्रांतिकारियों की संख्या घटने लगी । दूसरा कारण धन का अभाव था । क्रांतिकारी सैनिक अगस्त के अलावा बसूली नहीं कर पाये । नबाब बेगम और अंग्रेजों ने आरंभ टकराव का रास्ता नहीं अपनाया । केवल जमावट की । अक्टूबर तक पूरी रियासत में अंग्रेज और नबाब बेगम के नये सैनिक तैनात हो गये थे । यह जमावट इतनी तगड़ी थी कि क्रांतिकारी केवल अपने केन्द्रों तक सिमट गये थे । शेष पूरे रियासत में अपना प्रभाव स्थापित कर लिया था । इन कारणों से सीहोर छावनी के सैनिक भी समर्पण करने लगे । वे मॉफी मांग कर अंग्रेजी कैंप में जाने लगे । तैयारी पूरी करके अक्टूबर माह में सीहोर छावनी के सभी क्रांतिकारी सैनिको से हथियार ले लिये गये । और उन्हें उनकी ही बैरकों में नजरबंद कर दिया गया फिर 11 नवम्बर 1857 को अंग्रेजों का नया आदेश आया । इस आदेश पर सभी नजरबंद सैनिकों को बंदी बना लिया गया । इनकी संख्या 356 थी । सीहोर छावनी पर नबाब बेगम के सैनिकों का पूरा अधिकार हो गया था, नये अंग्रेज अधिकारी भी आ गये थे।

सिपाही बहादुर सरकार का ध्वज उतार कर अंग्रेजी ध्वज के साथ रियासत का ध्वज फहरा दिया गया । लेकिन क्रांति के दमन की विधिवत घोषणा नहीं की गई। इसके लिये अंग्रेज अधिकारी की प्रतीक्षा थी । अंत में क्राँति के दमन केलिये इस क्षेत्र में अंग्रेज जनरल ह्यूरोज की तैनाती हुई । जनरल ह्यूरोज दिसम्बर 1857 के अंतिम सप्ताह महू पहुँचा। महू में भी क्रांतिकारी सैनिकों को बंदी बनाया हुआ था । सभी बंदी क्रांतिकारी सैनिकों का बलिदान हुआ । जनरल ह्यूरोज महू से इंदौर आया । इंदौर में भी क्रांतिकारियों का बलिदान हुआ । इंदौर से 11 जनवरी वह सीहोर पहुंचा । जनरल ह्यूरोज के आदेश पर 14 जनवरी 1858 को प्रातः सूर्योदय के साथ सभी बंदी 356 क्रांतिकारियों को जेल से निकाला गया । हथकड़ी और बेड़ियों में जकड़े इन क्रांतिकारी सैनिकों को सीवन नदी किनारे सैकड़ाखेड़ी चांदमारी मैदान में लाया गया। इस मैदान पर सेना का शस्त्राभ्यास होता था । क्रांतिकारियों को बीस बीस की पंक्ति में खड़ा किया गया और गोलियों से भून दिया गया। जनरल ह्यूरोज क्रांतिकारियों के शवों को पेड़ पर लटकाने का आदेश दिया। ताकि आसपास अंग्रेजों का भय व्याप्त हो । दो दिन तक ये शव पेड़ों से लटके रहे । बाद में आसपास फेक दिया गया । ग्राम वासियों ने इसी मैदान में उनका अंतिम संस्कार किया ।

इस स्थल पर इन क्रांतिकारियों की समाधि बनी हुई है । 14 जनवरी मकर संक्रांति का दिन होता है । मकर संक्रांति के दिन इस स्थल पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक बलिदानियों को श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संक्रांति में पोंगल खाना सेहत के लिए फायदेमंद

डॉ. वर प्रसाद राव पी.वी.

खिचड़ी या पोंगल को बहुत ही स्वादिष्ट और पेट के लिए हल्का माना जाता है। मकर संक्रांति के दिन आमतौर पर ज्यादातर घरों में इसे बनाया जाता है। क्या आप जानते हैं कि इसके फायदे शरीर में पनपने वाली कई बीमारियों को खत्म कर सकते हैं। यह साल का पहला त्यौहार और किसानों का त्यौहार है। कोई भी त्यौहार विशेष व्यंजनों के बिना पूरा नहीं होता। हर त्यौहार की एक खास रेसिपी होती है। 14 जनवरी को मकर संक्रांति का त्यौहार भी मनाया जाता है। तमिलनाडु में इस त्यौहार पर पोंगल खाने की परंपरा है। इस दिन लोग अपने घरों में स्वादिष्ट पोंगल बनाते हैं और परिवार के साथ खाने का आनंद लेते हैं।

आप भी सोच रहे होंगे कि मकर संक्रांति पर पोंगल क्यों बनाया जाता है? मकर संक्रांति को तमिलनाडु में पोंगल त्यौहार के रूप में भी जाना जाता है। चावल को चंद्रमा का प्रतीक माना जाता है, दालों को शनि का प्रतीक माना जाता है और सब्जियों को बुध का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि यह सुपरफूड ग्रहों की स्थिति को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है।खिचड़ी या पोंगल भारत के हर हिस्से में खाया जाने वाला भोजन है। इसे बनाना आसान है। जीभ के लिए एक स्वाद. स्वस्थ। भारत के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग तरीके से बनाया जाता है। खिचड़ी आमतौर पर दाल और चावल के साथ बनाई जाती है लेकिन इसमें स्वाद और पोषण जोड़ने के लिए कुछ सब्जियों और घी का उपयोग किया जा सकता है। खिचड़ी, पोंगल या कर्नाटक की मशहूर बिस्बेले बात यह एक ऐसी डिश है जो सभी लोगों को बहुत पसंद आती है। इसे पचाना भी आसान है, जिससे यह बच्चों और बुजुर्गों के लिए एक अच्छा व्यंजन है।

पोंगल में पोषक तत्वों का भंडार

पोंगल एक उच्च पोषण वाला भोजन है। विभिन्न सब्जियों और बाजरे-चावल के मिश्रण से बने पोंगल में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, स्वस्थ वसा सहित संतुलित मैक्रोन्यूट्रिएंट्स होते हैं जिनकी आपके शरीर को आवश्यकता होती है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है

पोंगल एक ऐसा व्यंजन है जो बेहतर पाचन में मदद करता है और पचाने में आसान होता है। खिचड़ी में केवल चावल और दालें ही मुख्य सामग्री होती हैं, जिसके कारण यह आसानी से पच जाती है। आपकी आंतों की दीवारों में जो जलन अन्य खाद्य पदार्थों के सेवन के दौरान होती है, वह पोंगल खाने के दौरान नहीं होती है।आयुर्वेद सम्मत

पोंगल, खिचड़ी या बिस्बेले स्नान का सेवन प्राचीन काल से किया जाता रहा है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करता है और आपके शरीर की ऊर्जा को संतुलित करता है। खिचड़ी को त्रिदोष निवारक के नाम से जाना जाता है। क्योंकि इसमें तीन तत्वों या तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) को संतुलित करने की क्षमता होती है।

शरीर को अंदर से साफ करता है

पोंगल शरीर को भीतर से शुद्ध करने में मदद करता है। कुछ खाद्य पदार्थ शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा कर देते हैं। शरीर को डीटॉक्स करने के लिए लोग तरह-तरह का खाना खाते हैं। इसकी जगह आपको पोंगल खाना चाहिए। कम ही लोग जानते हैं कि पोंगल आपके शरीर को बहुत आसानी से डीटॉक्सीफाई करता है।

वजन नियंत्रण में सहायक

चूंकि पोंगल में कैलोरी और वसा कम होती है, इसलिए यह वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यह शरीर में आसानी से पच जाता है और इसमें उच्च फाइबर सामग्री के कारण लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है। अगर आपका वजन कम हो रहा है तो अपने आहार में खिचड़ी/पोंगल/बिस्बेलेबाट को जरूर शामिल करें।

मधुमेह को रोका जा सकता है

साबूदाना खिचड़ी मधुमेह को रोकने में मदद करती है। साबूदाना खिचड़ी एक व्यंजन है जो भीगे हुए साबूदाने से बनाया जाता है। साबूदाना शरीर में इंसुलिन को बनाए रखने में मदद करता है। इससे मधुमेह को रोकने में मदद मिलती है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

ऑस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्रॉफी की प्रारंभिक टीम में कमिंस, हेजलवुड को किया शामिल

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है। पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड को टीम में शामिल किया गया है, हालांकि इन दोनों को श्रीलंका के आगामी दौरे से आराम दिया गया है। कमिंस, जो इस समय पितृत्व अवकाश पर हैं, को टखने की समस्या का आकलन करने के लिए स्कैन से गुजरना होगा, जिसे उन्होंने हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला के दौरान झेला था, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 3-1 से जीता था। इस बीच, हेज़लवुड अभी तक पिंडली की चोट से उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में उनकी भागीदारी समय से पहले समाप्त हो गई थी। चयनकर्ताओं के प्रमुख, जॉर्ज बेली ने कहा, यह एक संतुलित और अनुभवी टीम है, जिसमें पिछले एक दिवसीय विश्व कप, वेस्टइंडीज श्रृंखला, पिछले साल यूके के सफल दौरे और हाल ही में पाकिस्तान की घरेलू श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। नाथन एलिस, मिचेल स्टार्क के साथ, तेज आक्रमण को आगे बढ़ाते हैं जबकि एडम ज़म्पा टीम में चुने गए एकमात्र फ्रंटलाइन स्पिनर हैं।ऑलराउंडर आरोन हार्डी और मैथ्यू शॉर्ट को भी टीम में शामिल किया गया है, जबकि एलेक्स कैरी ने विश्व कप चयन से चूकने के बाद पिछले सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ 50 ओवरों की टीम में सफल वापसी के बाद से अपना स्थान बरकरार रखा है।

ओडिशा वॉरियर्स ने महिला हॉकी इंडिया लीग की धमाकेदार शुरुआत की,दिल्ली एसजी पाईपर्स को 4-0 से हराया

रांची। उद्घाटन महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के पहले मैच में ओडिशा वॉरियर्स ने दिल्ली एसजी पाइपर्स को 4-0 से हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की।ओडिशा वॉरियर्स के लिए यिब्बी जानसन (16क और 37क), बलजीत कौर (42क) और फ्रीके मोएस (43क) ने स्कोर किया। .महिला हॉकी इंडिया लीग एक शानदार समारोह के साथ शुरू हुई जहां कलाकारों ने झारखंड की संस्कृति का प्रदर्शन किया। झारखंड सरकार की विधान सभा सदस्य और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने चार महिला एचआईएल टीमों के कप्तानों के साथ महिला हॉकी इंडिया लीग ट्रॉफी का अनावरण किया।

ओडिशा वॉरियर्स का दमदार प्रदर्शन

ओडिशा वॉरियर्स की तरफ से यिब्बी जानसन ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहला गोल 16वें मिनट में किया और फिर 37वें मिनट में एक और गोल दागकर टीम की बढ़त को मजबूत किया। इसके बाद, बलजीत कौर ने 42वें मिनट में गोल कर विरोधी टीम पर दबाव बढ़ा दिया। फ्रीके मोएस ने 43वें मिनट में गोल कर वॉरियर्स की जीत को और भी पुख्ता कर दिया।

केरला ब्लास्टर्स की मेजबानी करेगा ओडिशा

कोच्चि। केरला ब्लास्टर्स एफसी अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में ओडिशा एफसी की मेजबानी करेगी। ब्लास्टर्स का लक्ष्य ओडिशा के खिलाफ अपने घरेलू रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाना होगा, जबकि ओडिशा एफसी अपने पिछले तीन मैचों में जीत से दूरी को समाप्त करना चाहेगी। केरला ने अपने पिछले मैच में (मोहम्मडन एससी के खिलाफ 3-0) में क्लीन शीट बनाए रखी है और 2019 के बाद पहली बार दो लगातार घरेलू मैचों क्लीन शीट रखने के इरादे से उतरेंगे। ओडिशा 15 मैचों में पांच जीत, छह ड्रा और चार हार से 21 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। केरला ब्लास्टर्स एफसी 15 मैचों में पांच जीत, दो ड्रा और आठ हार से 17 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। ब्लास्टर्स ने आईएसएल में ओडिशा एफसी के खिलाफ जीत की स्थिति से 15 अंक गंवाए हैं। नौहा सदौई ने 10 गोल (6 गोल, 4 असिस्ट) में योगदान दिया है और ब्लास्टर्स के लिए आठ अंक जीते हैं।

टाटा इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की शुरुआत 21 मार्च से : राजीव शुक्ला

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का सीजन 21 मार्च से शुरू होगा। उन्होंने बीसीसीआई की विशेष आम बैठक के बाद मुंबई में यह घोषणा की। हालांकि प्लेऑफ या फाइनल की तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।इसके अलावा, राजीव शुक्ला ने बताया कि बीसीसीआई ने एक साल के कार्यकाल के लिए आईपीएल के नए आयुक्त की भी घोषणा की है। साथ ही उन्होंने बताया कि बोर्ड की अगली बैठक 18-19 जनवरी को होनी है और इसमें आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। नवनियुक्त बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने 21 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल सीजन के व्यस्त कार्यक्रम पर जोर देते हुए कहा कि लगातार होने वाले आयोजनों के लिए महत्वपूर्ण ध्यान और समन्वय की आवश्यकता होगी। बोर्ड लगातार इसे लेकर योजनाएं बना रहा है। इस बैठक में देवजीत सैकिया और प्रभतेज सिंह भाटिया को क्रमशः बीसीसीआई का नया सचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया।

खो-खो विश्वकप को लेकर स्वागत समारोह में देशी धुन पर उत्साह से थिरके विदेशी खिलाड़ी

एजेंसी

नयी दिल्ली। शुरु हो रहे खो-खो विश्वकप के लिए यहां पहुंची 23 देशों की महिला और पुरुष टीमों में आज यहां आयोजित भव्य स्वागत समारोह में नृत्य, नारे और संगीत के साथ थिरकते खिलाड़ियों में टूर्नामेंट के प्रति अपने जोश और उमंग की अद्भुत झलक देखने को मिली।राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न टीमों के खिलाड़ी पारंपरिक भारतीय संगीत के साथ अपने-अपने अंदाज में थिरके और प्रतिष्ठित विश्व कप ट्रॉफी के साथ फोटो भी खिंचवाये। इस दौरान संवाददाता सम्मेलन में मीडिया से बातचीत में पोलैंड टीम के 24 वर्षीय कोनराड ने टूर्नामेंट के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ÷खो-खो एक बहुत ही अच्छा लेकिन थकाऊ खेल है, जहाँ आप अपने दिमाग को व्यस्त रखते हुए भी स्वतंत्र रूप से दौड़ सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह खेल शारीरिक गतिविधि और रणनीतिक सोच के बीच एक अद्भुत संतुलन है। महिला टीम की कैरोलिन ने कहा, हालाँकि हम खो-खो में नए हैं, लेकिन हममें असीम ऊर्जा है। अन्य टीमों को एक्शन में देखना अविश्वसनीय रहा है विशेषकर भारत को।

पिछले कुछ महीनों के प्रशिक्षण के दौरान हमने खेल की रणनीतिक समझा है। दक्षिण अफ्रीकी महिला टीम की कोच मात्शिदिसो कहती हैं, हम इस टूर्नामेंट को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका भारत को कड़ी टक्कर देगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ब्रिजेट ने कहा, मुझे यह बहुत पसंद है क्योंकि इसमें बच्चों के खेल की चंचल स्वतंत्रता है, जहाँ आप स्वतंत्र रूप से दौड़ सकते हैं,शारीरिक गतिविधि और मानसिक चुनौती का यह मिश्रण इसे विशेष रूप से आकर्षक बनाता है। इस अवसर पर भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि इस संवाददाता सम्मेलन में 23 देशों का यह जमावड़ा देखकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। दुनिया भर से प्रतिनिधियों को देखना, जोकि उनकी अपनी राष्ट्रीय पहचान साथ हमारे स्वदेशी खेल को अपनाना खो खो की सार्वभौमिक अपील और अंतरराष्ट्रीय विकास की क्षमता को दर्शाता है।

भारतीय खो खो महासंघ के महासचिव एमएस त्यागी ने तैयारी को लेकर कहा आज तकनीकी ब्रीफिंग के दौरान सभी भाग लेने वाले देशों द्वारा दिखाया गया उत्साह उल्लेखनीय रहा है। हमारा ध्यान नियमों की स्पष्टता सुनिश्चित करने और आगामी टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने पर होगा।

इरा जाधव ने तूफानी बल्लेबाजी कर बनाया नाबाद 346 रनों का रिकार्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई के लिए खेल रही 14 वर्षीय इरा जाधव ने अलूर में महिला अंडर-19 एकदिवसीय ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 157 गेंदों पर 346 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए टीम के स्कोर को तीन विकेट के नुकसान पर 563 रन पर पहुंचा दिया। इरा जाधव ने अपनी इस पारी में 42 चौके और 16 छक्के जड़े और 220.38 के स्ट्राइक रेट से 346 रन बनाए जोकि एक रिकार्ड है। महिला अंडर-19 मैच में व्यक्तिगत सर्वाच्च स्कोर दक्षिण अफ्रीका की लिजी ली के नाम है। उन्होंने 2010 में 427 रनों की पारी खेली थी। पारी की शुरुआत करने आई जाधव ने दूसरे विकेट के लिए हरली गला के साथ 274 रनों की साझेदारी की। गला ने 79 गेंदों पर 116 रनों की पारी खेली। जाधव ने इस साझेदारी में 71 गेंदों पर 149 रन बनाए। इसके बाद दीक्षा पवार के साथ उन्होंने 186 रन जोड़े जिसमें जाधव ने 50 गेंदों पर 137 रन बनाए। जाधव की तूफानी बल्लेबाजी का आलम यह था कि मेघालय की तीन गेंदबाजो ने 100 या उससे अधिक रन दिये।

पंजाब किंग्स की कप्तानी करेंगे श्रेयस अय्यर

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स ने दिग्गज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को लीग के आगामी सीजन के लिए अपना कप्तान घोषित किया है। दिसंबर 2024 में नीलामी में फ्रेंचाइजी द्वारा चुने गए दाएं हाथ के बल्लेबाज फ्रेंचाइजी की कमान संभालने के लिए हेड कोच रिकी पोंटिंग के साथ फिर से जुड़ेंगे। 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पंजाब किंग्स मैनेजमेंट का आभार व्यक्त किया। श्रेयस ने कहा, ÷मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं कि टीम ने मुझ पर अपना विश्वास जताया है। मैं कोच पोंटिंग के साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। टीम मजबूत दिख रही है जिसमें क्षमतावान और अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण है। मुझे उम्मीद है कि मैनेजमेंट द्वारा दिखाए गए विश्वास को हम अपना पहला खिताब दिलाकर चुका पाएंगे। हेड कोच पोटिंग ने कहा, ÷श्रेयस के पास खेल के लिए शानदार दिमाग है। कप्तान के रूप में उनकी साबित क्षमताएं टीम को बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएंगी। मैंने

आईपीएल में पहले भी अय्यर के साथ अपना समय बिताया है और मैं उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। उनके नेतृत्व और टीम में प्रतिभा को देखते हुए मैं आने वाले सीज़न के लिए उत्साहित हूं। पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने कहा, हमने अपने कप्तान के रूप में श्रेयस की पहचान की थी एयरबस करण नीलामी के नतीजों से हम बहुत खुश हैं। उन्होंने खुद को इस प्रारूप में माहिर खिलाड़ी साबित कर दिया है और टीम के लिए उनका विजन हमारे लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाता है। उनके और पोंटिंग के फिर से हाथ मिलाने से हमें विश्वास है कि हमारी टीम के पास एक ठोस लीडरशिप है जो हमें हमारे पहले खिताब तक ले जाएगा। 2024 अय्यर के लिए यह एक शानदार साल रहा है। वह रणजी और ईरानी ट्रॉफी जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 2024 के आईपीएल अभियान में कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी। इसके अलावा उनके नेतृत्व में मुंबई ने अपनी दूसरी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती है।

तौहीद और मुस्तफिजुर की बंगलादेश टीम में हुई वापसी

एजेंसी

ढाका। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम में चोटिल कप्तान नाजमुल हुसैन शान्तो के अलावा मुश्फिकुर रहीम, तौहीद हृदोय और मुस्तफिजुर रहमान की वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने आज टीम की घोषणा करते हुए मांसपेशियों में खिचाव के कारण नवंबर महीने में वेस्टइंडीज के दौरे पर नहीं खेल पाए नाजमुल हुसैन शान्तों की टीम में वापस बुलाया। वहीं पिछले कुछ समय से खराब फार्म में चल रहे लिटन दास को टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। इसके अलावा अफीफ हुसैन, शोरिफुल इस्लाम और हसन महमूद को भी टीम में जगह नहीं मिली। गेंदबाजी एक्शन के परीक्षण में दूसरी बार विफल रहने के कारण शाकिब अल हसन भी टीम में जगह बनाने में असफल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि चैंपियंस

ट्रॉफी में बंगलादेश भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के ग्रुप में है और उसे अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को भारत के साथ करनी है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम इस प्रकार हैः- नाजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), मुश्फिकुर रहीम, तौहीद हृदोय, सौम्य सरकार, तंजीद हसन, महमूदुल्लाह, जाकेर अली, मेहदी हसन मिराज, रिशाद हुसैन, तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन, नासुम अहमद, तंजिम हसन और नाहिद राणा।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को 116 रनों से हराया

एजेंसी

राजकोट। जेमिमाह रॉड्रिग्स (102), हरलीन देओल (89), कप्तान स्मृति मंधाना (73), प्रतिका रावल (67) की शानदार बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा(तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 116 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं।

370 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने आठवें ही ओवर में कप्तान गैबी लुईस (12) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने सारा फोर्ब्स के साथ पारी संभालने का प्रयास किया। 21वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने सारा फोर्ब्स (38) को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। 27वें ओवर में प्रिया मिश्रा ने ऑर्ला प्रेंडरगस्ट (तीन) को आउट किया। 41वें ओवर में शतक की ओर बढ़ रही क्रिस्टिना कुल्टर रीली को तितास

साधु ने बोल्ड कर पवेलियन भेजा। क्रिस्टिना कुल्टर रीली ने 113 गेंदों में 10 चौके लगाते हुए (80) रनों की जूझारु पारी खेली। 42वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लॉरा डेलेनी (32) को पगबाधा आउट किया। अवा कैनिंग (11) को प्रिया मिश्रा ने आउट किया। ली पॉल (27) और जॉर्जिना डेम्पसी (छह) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की टीम निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट पर 254 रन ही बना सकी और 116 रनों से मुकाबला हार गई।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा को तीन विकेट मिले। प्रिया मिश्रा ने दो विकेट लिये। तितास साधु और सायली सातघरे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की सलामी जोड़ी ने तूफानी अंदाज में बल्लबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 156 रन जोड़े। 19वें ओवर में ऑर्ला प्रेंडरगस्ट ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। मंधाना ने 54 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए (73) रन बनाये। अगले ही ओवर में जॉर्जिना डेम्पसी ने प्रतिका रावल को आउट कर पवेलियन भेज दिया। रावल ने 61 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाते हुए (67) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल और जेमिमाह रॉड्रिग्स की जोड़ी ने एक बार फिर आयरलैंड के गेंदबाजों की धुनाई शुरु कर दी। 48वें ओवर में आर्लीन केली ने हरलीन देओल को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हरलीन देओल ने 84 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए (89)रन बनाये। वहीं जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 91 गेंदों में 12 चौके लगाते हुये (102) रनों की शतकीय पारी खेली। ऋचा घोष (10) रन बनाकर आउट हुई। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 370 रनों बनाकर एकदिवसीय में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। आयरलैंड की ओर से ऑर्ला प्रेंडरगस्ट और आर्लीन केली ने दो-दो विकेट लिये। जॉर्जिना डेम्पसी ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

हैदराबाद तूफान ने वेदांता कलिंगा लांसर्स को 5-1 से हराया

एजेंसी

राउरकेला। हैदराबाद तूफान ने हीरो पुरुष हॉकी इंडिया लीग के मुकाबले में वेदांता कलिंगा लांसर्स को 5-1 से हराया। आज यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में कलिंगा लांसर्स ने शानदार शुरुआत करते हुए पाँचवें मिनट में ही गोल कर मैच में अपनी बढ़त बना ली। हालांकि इसके एक मिनट बाद ही हैदराबाद तूफान के गोंजालो पेइलट ने छठे मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद हैदराबाद की ओर से मैको कैसेला ने 21वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। 30वें मिनट में गोंजालो पेइलट ने अपना दूसरा गोल किया। वहीं टिम ब्रैंड ने 47वें मिनट में चौथा गोल दागा।अर्शदीप सिंह ने 54वें मिनट में पांचवां गोल दागा। इस जीत के साथ ही हैदराबाद तूफान हीरो पुरुष हॉकी इंडिया लीग की अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है।

गेंदबाजी एक्शन के दूसरे परीक्षण में भी विफल हुए शाकिब

एजेंसी

ढाका। गेंदबाजी करने के लिए निलंबित शाकिब अल हसन का गेंदबाजी एक्शन दूसरे परीक्षण में भी विफल रहा हैं। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने कहा है कि उनका अंतरराष्ट्रीय और घरेलू मैचों में गेंदबाजी का निलंबन जारी रहेगा। शाकिब के गेंदबाजी एक्शन पर नई जांच पिछले महीने चेन्नई के रामचंद्र खेल विज्ञान केंद्र में की गयी थी।

बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने जारी एक बयान में कहा, ÷लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी की जांच के बाद शाकिब पर लगाया निलंबन जारी रहेगा। निलंबन की समाप्ति के लिए फिर से सफल जांच की आवश्यकता होगी। शाकिब गेंदबाजी करने के योग्य नहीं हैं लेकिन वह एक बल्लेबाज के रूप में सभी प्रारूप खेल सकते हैं।उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड में सितंबर में काउंटी मैच के दौरान शाकिब के गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध पाये जाने बाद पिछले वर्ष दिसंबर में शाकिब को यूके की

लॉफबॉरो यूनिवर्सिटी द्वारा गेंदबाजी एक्शन की जांच में विफल पाया गया था। जिसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने अवैध गेंदबाजी एक्शन से जुड़े आईसीसी के नियम के अनुसार शाकिब को निलंबित कर दिया था। बीसीबी ने कहा है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की घोषणा करेगा। ऐसे में शाकिब को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बंगलादेश की टीम में शामिल किये जाने की कम संभावना है।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने पर लिटन दास ने कहा- मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं

एजेंसी

ढाका। चैंपियंस ट्रॉफी टीम से बाहर किए जाने के कुछ घंटों बाद, बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाज लिटन कुमार दास ने मौजूदा बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) में धमाकेदार शतक लगाने के बाद कहा कि उन्हें किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 44 गेंदों पर 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से अपना पहला बीपीएल शतक बनाया और ढाका कैपिटल्स की सीजन की पहली जीत में अहम भूमिका निभाई। इसने फ्रैंचाइज़ी के लिए छह मैचों की हार का सिलसिला भी तोड़ दिया। अपनी पारी के दौरान, लिटन परवेज हुसैन इमोन के बाद बीपीएल इतिहास में दूसरे सबसे तेज बांग्लादेशी शतकवीर बन गए, जिन्होंने 2020 बंगबंधु बीपीएल सीज़न में 42 गेंदों पर शतक बनाया था। संयोग से, यह इमोन ही हैं जिन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी टीम में बैक अप ओपनर के रूप में लिटन की जगह ली है। लिटन कुछ समय से सफेद गेंद के प्रारूप में संघर्ष कर रहे थे क्योंकि वनडे में उनका आखिरी अर्धशतक भारत में 2023 विश्व कप में आया था, अपने आखिरी पांच वनडे में उन्होंने केवल छह रन बनाए जिसमें तीन शून्य शामिल थे। ऐसे परिदृश्य में, बाहर निकाला जाना लिटन सहित सभी के लिए पूरी तरह से आश्चर्य की बात नहीं थी और जब उनसे अपने 'आलोचकों' को जवाब देने के बारे में पूछा गया, तो विकेटकीपर बल्लेबाज ने एक अलग जवाब दिया। उन्होंने खेल के बाद संवाददाताओं से कहा, नहीं भाई, किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है और मुझे किसी को कुछ भी साबित करने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शमी की वापसी

एजेंसी

मुबंई। इंग्लैंड के खिलाफ 22 जनवरी से शुरु हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृखंला के लिये भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी। सूर्य कुमार यादव की अगुवायी वाली 15 सदस्यीय टीम में भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को शामिल किया गया है। 22 जनवरी को भारतीय टीम कोलकाता में इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच खेलेगी। शमी ने 2023 के विश्वकप में अपना पिछला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था। इसके बाद उन्हे एड़ी की चोट और घुटने की तकलीफ के चलते मैदान से बाहर रहना पड़ा।

अब तक शानदार फार्म में चल रहे जसप्रीत बुमराह को टी20 सीरीज में आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ पांचवें टेस्ट में बुमराह को पीठ में खिंचाव की समस्या हुयी थी और वह कुछ समय मैदान से बाहर भी रहे थे। ऋषभ पंत को भी टी20 सीरीज के लिये भारतीय दल में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार हैः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन

(विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

भारत 22 जनवरी से दो फ़रवरी के बीच कोलकाता, चेन्नई, राजकोट, पुणे और मुंबई में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ पांच टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेज़बानी करेगा जिसके बाद तीन वनडे मैच नागपुर (6 फ़रवरी), कटक (9 फ़रवरी) और अहमदाबाद (12 फ़रवरी) में खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

एजेंसी

सिडनी। एश्ली गार्डनर (तीन विकेट/नाबाद 42) के हरफनमौला प्रदर्शन और कप्तान अलीसा हीली (70) रनों की शानदार पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को चार विकेट से हरा दिया है।

इंग्लैंड 204 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में फीबी लिचफील्ड (चार) का विकेट गवां दिया। उन्हें लॉरेन फाइलर ने आउट किया। इसके बाद नौवें ओवर में लॉरेन बेल ने एलिस पेरी (14) को पगबाधा आउट कर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। बेथ मूनी (28) को सोफी एकल्सटन ने आउट किया। ऐनाबेल सदरलैंड (10) बनाकर आउट हुई 32वें ओवर में शार्लेट डीन ने एक छोर थामे खड़ी कप्तान अलीसा हीली

बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। हीली ने 78 गेंदों में 11 चौके लगाते हुए (70) रनों की पारी खेली। इसके बाद छठे विकेट के रूप में तालिया मैकग्रा (दो) रन बनाकर आउट हुई। एश्ली गार्डनर ने 44 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 42) रन बनाये। अलाना किंग (11) रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 38.5 ओवर में छह विकेट पर 206 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। इंग्लैंड की ओर से लॉरेन फाइलर और सोफी एकल्सटन ने दो-दो विकेट लिये। लॉरेन बेल और शार्लेट डीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आज यहां इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में मैया बाउचियर (नौ) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी कप्तान हीथर नाइट ने टैमी बोमॉन्ट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी हुई। सदरलैंड ने टैमी बोमॉन्ट (13) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़। नेट साइबर ब्रंट (19), हीथर नाइट (39), डेनियल वायट (38), ऐमी जोंस (31) सोफी एकल्सटन (18) रन बनाकर आउट हुई।

ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड की पूरी टीम 43.1 ओवर में 204 के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एश्ली गार्डनर ने तीन विकेट लिये। किम गार्थ, ऐनाबेल सदरलैंड और अलाना किंग को दो-दो विकेट मिले। डर्सी ब्राउन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

महिलाओं के सामाजिक, औद्योगिक समावेशन के लिए चेन्नई शीर्ष तीन भारतीय शहरों में शामिलः अध्ययन

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई को महिलाओं के लिए सामाजिक और औद्योगिक समावेशन में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले भारत के शीर्ष तीन शहरों में से एक माना गया है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह जानकारी दी गई है। तमिलनाडु के आठ शहरों को इस सूची में स्थान मिला है, जिसमें राजधानी शहर कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित और लचीला और टिकाऊ शहर होने के कारण दूसरे स्थान पर है। अवतार समूह की 2024 में भारत में महिलाओं के लिए शीर्ष शहरों की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण भारत सबसे अधिक लिंग-समावेशी क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसमें दक्षिण के 16 शहर शीर्ष 25 में शामिल हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में कामकाजी महिलाओं के लिए देश में सर्वश्रेष्ठ शहर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए बेंगलुरु ने चेन्नई को पीछे छोड़ दिया है। अवतार समूह की संस्थापक-अध्यक्ष सौंदर्या राजेश ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए सबसे समावेशी, सुरक्षित, लचीला, टिकाऊ शहर होने के मामले में चेन्नई दूसरे स्थान पर रहा। तमिलनाडु ने सर्वेक्षण के परिणामों पर अपना दबदबा बनाया। कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, मदुरै, सेलम, इरोड और तिरुप्पुर भी सूची में शीर्ष पर रहे। राजेश ने अध्ययन पर कहा, शहर अवसरों की नींव हैं। वे महिलाओं के रहने, काम करने और आगे बढ़ने के तरीके को आकार देते हैं। महिलाओं की प्रगति और समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए हमारे शहरों के मूल सिद्धांतों और सांस्कृतिक ताने-बाने की स्पष्ट समझ महत्वपूर्ण है।

बीएसएनएल सौदे का प्रभाव कम होने के साथ टीसीएस का मुनाफा मार्जिन बढ़ेगा : सीएफओ

मुंबई। अगली कुछ तिमाहियों में सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के साथ सौदे के प्रभाव में अपेक्षित कमी से प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को लाभ मार्जिन बढ़ाने में मदद मिलेगी। कंपनी एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह उम्मीद जताई है। कंपनी के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) समीर सेकसरिया ने यहां बताया कि देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी हाल ही में अधिग्रहीत भूमि पर दीर्घावधि में बेंगलुरु में 25,000 से अधिक सीट की क्षमता बनाने पर विचार कर रही है। सेकसरिया ने बीएसएनएल सौदे के मार्जिन पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर एक सवाल का उत्तर देते हुए कहा, वही कार्यक्रम (बीएसएनएल) पोर्टफोलियो स्तर पर कम हो रहा है, समग्र स्तर पर, इससे लाभ होगा (मार्जिन पर)।हालांकि, उन्होंने परिचालन लाभ के मोर्चे पर सकारात्मक प्रभाव के बारे में कोई संख्या बताने से इनकार कर दिया। कंपनी का परिचालन लाभ मार्जिन दिसंबर तिमाही के लिए 24.5 प्रतिशत रहा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इसका लक्ष्य इसे और बढ़ाना है। सेकसरिया ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही तक बीएसएनएल के सौदे के प्रभाव में कमी आएगी। बीएसएनएल को देशव्यापी 4जी नेटवर्क शुरू करने में मदद के लिए किए गए 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के सौदे ने पिछली कुछ तिमाहियों में टाटा समूह की इस कंपनी की राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेकसरिया ने कहा कि कंपनी अपने सभी बाजारों में अन्य स्रोतों से बीएसएनएल के घटते राजस्व की पूर्ति करेगी।

इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता, ट्रंप 2.0, एआई से प्रभावित होगा वैश्विक व्यापार : विशेषज्ञ

मुंबई। भू-राजनीतिक दबाव, निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका में नए सिरे से व्यापार युद्ध की संभावना, स्थिरता-आधारित अड़चनों में वृद्धि, प्रमुख क्षेत्रों में चीन की अत्यधिक क्षमता और कृत्रिम मेधा (एआई) में तेजी से प्रगति जैसे कारक 2025 में वैश्विक व्यापार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेंगे। विशेषज्ञों ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्यातकों और आयातकों को इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी एआई रणनीति को प्राथमिकता देने की जरूरत है, क्योंकि यह कारोबार लॉजिस्टिक और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बदलने और व्यापार के पारंपरिक तरीकों को नया आकार देने की क्षमता रखता है। व्यापार विशेषज्ञ और हाई-टेक गियर्स के चेयरमैन दीप कपूरिया ने कहा, एआई तेजी से भविष्य के व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभर रहा है। एआई-आधारित डिजिटल बदलाव न केवल सेवा व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि यह वाहनों से लेकर रोबोटिक्स और उससे भी आगे व्यापार योग्य एआई-आधारित वस्तुओं की पूरी नई श्रेणियां भी बना सकता है।

हितधारक ऑडिट से जुड़े सही सवाल पूछ सकें, सात दस्तावेज जारी करेगा एनएफआरए

नई दिल्ली। लेखा परीक्षक (ऑडिटर) और कंपनियों की ऑडिट समितियों के बीच बातचीत की गुणवत्ता और स्तर को सुधारने के लिए राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) छह से सात दस्तावेज (पेपर) जारी करने की योजना बना रहा है। इसमें सांविधिक ऑडिट से जुड़े विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए सवालों के सेट होंगे। एनएफआरए के चेयरपर्सन अजय भूषण प्रसाद पांडेय ने बातचीत में कहा कि ये दस्तावेज हितधारकों को ऑडिट से संबंधित सही सवाल पूछने में मदद करेंगे। अक्टूबर, 2018 में गठित एनएफआरए ऑडिट की गुणवत्ता में सुधार करने के प्रयास कर रहा है और लेखा परीक्षा में चूक के लिए विभिन्न इकाइयों के खिलाफ 80 से अधिक आदेश पारित कर चुका है। एनएफआरए के प्रमुख ने कहा, ''ये दस्तावेज कंपनियों की ऑडिट समितियों, स्वतंत्र निदेशकों और निदेशक मंडल के लिए ऑडिटिंग की बारीकियों और महत्वपूर्ण पहलुओं को समझने में मार्गदर्शक के रूप में भी काम करेंगे।'

भारत ने नेपाल से दुग्ध निर्यात में दिक्कतों का मुद्दा उठाया

एजेंसी

चेन्नई। सरकार ने नेपाल के समक्ष भारत से वहां दूध और दुग्ध उत्पादकों के निर्यात में रूकावटों का मुद्दा उठाया है। भारत में नेपाल के अनुरोध पर उसे गेहूं की आपूर्ति के बारे में निर्णय की भी आधिकारिक रूप से जानकारी दे दी है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नेपाल में दुग्ध उत्पादन के निर्यात में आ रही दिक्कत का मुद्दा भारत और नेपाल की एक संयुक्त अधिकारी समिति की काठमांडू में हुई बैठक में उठाया गया। मंत्रालय के अनुसार नेपाल ने इस बात पर सहमति जताई है कि वह भारत से ऐसे दुग्ध उत्पादन के आयात पर सकारात्मक रूप से विचार करेगा जिनका नेपाल में पर्याप्त रूप से उत्पादन नहीं हो रहा है। ऐसे उत्पादों में मट्ठा और चीज जैसे दुग्ध उत्पादन शामिल हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार भारत नेपाल अंतर सरकारी समिति की बैठक 10 और 11 जनवरी को काठमांडू में संपन्न हुई। इस बैठक में व्यापार और व्यापार मार्ग के क्षेत्र में सहयोग और दोनों देशों के बीच अनधिकृत व्यापार के खिलाफ कार्यवाही जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने और नेपाल के आधिकारिक दल का नेतृत्व वहां के उद्योग,वाणिज्य एवं आपूर्ति मंत्रालय के सचिव गोविंद बहादुर करकी ने किया। विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में भारत की ओर से बताया गया कि सरकार ने नेपाल को दो लाख टन गेहूं भेजने के उसके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। नेपाल के पक्ष ने अपने देश में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने में भारत के सहयोग की प्रशंसा की ।

बैठक में भारत की ओर से यह भी बताया गया कि नेपाल के अनुरोध पर भारत के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के नियमों के अनुसार नेपाल में काकरभिट्टा और बांग्लादेश में बांग्लाबंधा के बीच भारत में फुलबाडी के रास्ते में व्यापारिक वस्तुओं की आवाजाही के लिए नेपाल के दो एक्सेल वाले 18.5 टन भार क्षमता के और तीन एक्सेल वाले 28 टन वहां क्षमता के ट्रैकों के आवागमन को अनुमति होगी। भारत में यह भी बताया कि साल के बीजों और चायोट (चाउ-चाउ फल) को भारत के पादप क्वॉरंटाइन आदेश में शामिल कर लिया गया है। नेपाल के अनुरोध पर भारत ने जटमासी, सुगंधकोकिला तथा तिमूर बेरी के सत को संस्कृत पादप उत्पादक की श्रेणी में रखने का निर्णय किया है। नेपाल भारत से निर्यात किए जाने वाले पॉलीहाइड-28 जैसे कुछ उत्पादों को तकनीक की दृष्टि से पुनर वर्गीकृत किया जाने के भारत के अनुरोध पर विचार करने को तैयार हो गया है। बैठक में दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच व्यापार में आसानी के लिए नया समन्वित चेक पोस्ट बनाए जाने और रेलवे संपर्क के क्षेत्र में द्विपक्षीय पहलों का स्वागत किया गया।

इससे पहले दोनों देशों के इस आधिकारिक स्तर की समिति की एक उप समिति की बैठक पिछले साल जनवरी में काठमांडू में हुई थी। बीते सप्ताह हुई आधिकारिक बैठक के दौरान 11 जनवरी को अलग से भारत नेपाल संयुक्त व्यापार फोरम की बैठक का भी आयोजन किया गया।

ओडिशा में एसीएसआईएल ने गन्ने का मूल्य 420 रुपये बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति टन किया

एजेंसी

ब्रह्मपुर। ओडिशा में 'अस्का कोऑपरेटिव शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसीएसआईएल)' की प्रबंध समिति ने इस साल गन्ने का मूल्य 420 रुपये बढ़ाकर 3,500 रुपये प्रति टन कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसीएसआईएल के प्रबंध निदेशक सुशांत कुमार पांडा ने बताया कि इस बार मिल 10 किलोमीटर से अधिक दूरी के मामले में गन्ने के परिवहन का खर्च भी वहन करेगी। उन्होंने बताया, 'मिल की वित्तीय स्थिति और गन्ना खेती में लागत कारक सहित सभी पहलुओं पर विचार करते हुए, प्रबंध समिति ने प्रशासन के परामर्श से गन्ने की कीमत 3,500 रुपये प्रति टन तय की है।' इससे पहले गंजम जिला गन्ना उत्पादक संघ ने मांग की थी कि गन्ने की कीमत 4,500 रुपये

प्रति टन तय की जाए। संघ ने कहा था कि अगर मिल अधिकारी उनकी मांग पर विचार नहीं करते हैं तो वे गन्ना आपूर्ति नहीं करेंगे।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी जारी, चांदी की कीमत में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार चौथे दिन तेजी का रुख है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये से लेकर 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये से लेकर 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज भी 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख

शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

खाद्य तेल और दालों में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल और दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा सप्ताहांत पर 25 रिंगिट गिरकर 4700 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 3.86 सेंट की तेजी के साथ 40.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। मूंगफली तेल 587 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि पाम ऑयल में 366 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16813 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18901 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15897 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14798 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553

रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15970 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन :बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान चना 100 रुपये, दाल चना 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और अरहर दाल 300 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई जबकि मसूर दाल 300 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती रही। वहीं, उड़द दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर स्थिर रही।

सप्ताहांत पर चना 6550-6650, दाल चना 7550-7650, मसूर काली 7150-7250, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9500-9600, अरहर दाल 9200-9300 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2900-3000 रुपये और चावल 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ः बीते सप्ताह मीठे के बाजार में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गुड़ और चीनी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4280-4380, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4500-4600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बेंगलुरु में 20 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया; 2,800 करोड़ रुपये का बिक्री लक्ष्य

एजेंसी

इंदौर। रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स ने अपनी विस्तार योजना के तहत 2,800 करोड़ रुपये की आवासीय परियोजना के विकास के लिए बेंगलुरु में लगभग 20 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है।

लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स संयुक्त विकास के लिए भूमि मालिकों के साथ साझेदारी करने के साथ-साथ सीधी खरीद के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण कर रही है। सूत्रों ने बताया कि कुल में से लगभग 20 एकड़ भूमि बेंगलुरु में अधिग्रहीत की गई है। कंपनी ने भूमि का कुछ हिस्सा सीधे खरीद लिया है, जबकि शेष हिस्से के लिए भू-स्वामियों के साथ संयुक्त विकास समझौता किया है। दिसंबर तिमाही के लिए अपने नवीनतम परिचालन अपडेट में मैक्रोटेक डेवलपर्स ने बताया कि कंपनी ने बेंगलुरु में 2,800 करोड़ रुपये के जीडीवी (सकल विकास मूल्य) के साथ एक नई परियोजना जोड़ी है। इस अधिग्रहण के साथ, कंपनी के पास अब बेंगलुरु में पांच स्थान हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने कहा कि इनसे अगले वित्त वर्ष से बेंगलुरु में महत्वपूर्ण बिक्री-पूर्व वृद्धि के अवसर मिलने की उम्मीद है।कंपनी ने कुछ वर्ष पहले बेंगलुरू आवास बाजार में प्रवेश किया था। कंपनी मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) और पुणे बाजार में अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रही है, जहां इसके पास पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी है। कुल मिलाकर, मैक्रोटेक डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान अपनी बिक्री बुकिंग में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और यह रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपये रही है।

टॉप 10 में शामिल 5 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.85 लाख करोड़ की गिरावट, शेष 5 का मार्केट कैप 1.02 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 5 के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई, वहीं 5 के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। फायदे में रहने वाली 5 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1,02,645.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। वहीं नुकसान में रहने वाली 5 कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिलाकर 1,85,952.31 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। इसमें सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे अधिक फायदे में रही। इस सप्ताह के कारोबार में आईटी सेक्टर में आई तेज के कारण एचसीएल टेक्नोलॉजी मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों की सूची में जगह बनाने में सफल रही, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) इस सूची से बाहर हो गई। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और आईटीसी के मार्केट कैप में गिरावट आ गई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में बढ़ोतरी हुई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की ये स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,844.20 अंक यानी 2.32 प्रतिशत टूट गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 573.25 अंक यानी 2.38 प्रतिशत की कमजोरी का शिकार हो गया।

सोमवार से शुक्रवार के बीच हुए कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 70,479.23 करोड़ रुपये घट कर 12,67,440.61 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईटीसी का मार्केट कैप 46,481 करोड़ रुपये कम होकर 5,56,583.44 करोड़ रुपये के स्तर तक पहुंच गया। इसके अलावा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 44,635.46 करोड़ रुपये घट कर 6,63,233.14 करोड़ रुपये के स्तर पर, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 12,179.13 करोड़ रुपये घट कर 16,81,194.35 करोड़ रुपये के स्तर पर और आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,877.49 करोड़ रुपये कम होकर 8,81,501.01 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया।दूसरी ओर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 60,168.79 करोड़ रुपये बढ़ कर 15,43,313.32 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह एचसीएल टेक्नोलॉजी का मार्केट कैप 13,120.58 करोड़ रुपये उछल कर 5,41,539.01 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा इंफोसिस का मार्केट कैप सोमवार से शुक्रवार तक हुए कारोबार के दौरान 11,792.44 करोड़ रुपये बढ़ कर 8,16,626.78 करोड़ रुपये के स्तर पर, भारती एयरटेल का मार्केट कैप 8,999.41 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,19,933.99 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 8,564.26 करोड़ रुपये उछल कर 5,73,758.44 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 16,81,194.35 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही।

जनवरी में बिकवाल की भूमिका में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक, बाजार से अभी तक 22,194 करोड़ निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जनवरी के महीने में अभी तक लगातार नेट सेलर (शुद्ध बिकवाल) की भूमिका निभा रहे हैं। इस साल 1 जनवरी से लेकर 10 जनवरी के कारोबार में विदेशी निवेशक भारतीय स्टॉक मार्केट से 22,194 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इसमें सिर्फ पिछले सप्ताह ही यानी 6 से 10 जनवरी के बीच विदेशी निवेशकों ने 16,854.25 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रोविजनल डेटा के मुताबिक जनवरी के महीने में सिर्फ 2 जनवरी को विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की थी। इसके अलावा जनवरी के हर कारोबारी दिन के दौरान विदेशी निवेशकों ने लगातार बिकवाली का ही दबाव बनाया है।

जानकारों का मानना है कि तीसरी तिमाही के दौरान कंपनियों के नतीजे में कमजोरी आने की आशंका, डॉलर इंडेक्स की मजबूती, डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद टैरिफ वॉर में तेजी आने का डर और निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जनवरी में लगातार बिकवाली का दबाव बनाए हुए हैं। इसके पहले अक्टूबर और नवंबर में भी विदेशी निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में रिकॉर्ड तोड़ बिकवाली की थी। हालांकि दिसंबर 2024 के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली की तुलना में लिवाली अधिक की थी। इसी वजह से दिसंबर 2024 के दौरान विदेशी निवेशक 15,446 करोड़ रुपये के शुद्ध लिवाल (नेट बायर) बने थे।

खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि भारतीय बाजार से विदेशी कोष की निकासी के लिए कई फैक्टर्स को जिम्मेदार माना जा सकता है। इनमें मुख्य रूप से ट्रंप प्रशासन के दौरान टैरिफ वॉर में तेजी आने की आशंका, भारत में ब्याज दरों में कटौती की बात को लेकर बनी अनिश्चितता, घरेलू मोर्चे पर कंपनियां के तीसरी तिमाही के नतीजे में गिरावट आने की आशंका और जीडीपी ग्रोथ रेट में सुस्ती आने के अनुमान की वजह से विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से अपना पैसा निकालना बेहतर समझ रहे हैं। खुराना का मानना है कि इन फैक्टर्स के अलावा डॉलर की तुलना में भारतीय मुद्रा रुपये का रिकार्ड निचला स्तर, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में आई तेजी और भारतीय शेयर बाजार के हाई वैल्यूएशन की वजह से भी विदेशी निवेशक लिवाली की तुलना में बिकवाली पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। दूसरी ओर, कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से हो लगातार हो रही बिकवाली की सबसे बड़ी वजह डॉलर इंडेक्स की जोरदार मजबूती है।

भारत में कई आईफोन, एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं को सॉफ्टवेयर अपग्रेड से परेशानी हुई : सर्वेक्षण

एजेंसी

हैदराबाद। देश में आईफोन और एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं के एक बड़े हिस्से ने कहा है कि नवीनतम सॉफ्टवेयर अपग्रेड के बाद उन्हें कॉल कनेक्शन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ऑनलाइन मंच लोकलसर्किल्स ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह कहा है।

सर्वेक्षण के अनुसार, देश में 60 प्रतिशत आईफोन उपयोगकर्ताओं और 40 प्रतिशत एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं ने कहा है कि नवीनतम सॉफ्टवेयर अपग्रेड के बाद उन्हें अपनी सेवाओं में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कॉल विफलता सबसे बड़ी समस्या है जिसका सामना आईफोन उपयोगकर्ता कर रहे हैं, चाहे वह सामान्य कॉल हो या ऐप-आधारित कॉल। जबकि, ऐप्स का फ्रीज होना एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए सबसे बड़ी समस्या है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सर्वेक्षण में शामिल 10 में से छह एप्पल आईफोन उपयोगकर्ता जिन्होंने आईओएस 18 या उच्चतर में अपग्रेड किया है, उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से 28 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि अधिकांश/कुछ वॉयस और ओटीटी कॉल कनेक्ट नहीं होते हैं या ड्रॉप हो जाते हैं। वहीं, 12 प्रतिशत ने कहा कि फोन की स्क्रीन डार्क हो जाती है; 12 प्रतिशत ने कहा कि ऐप्स हैंग हो जाते हैं। पिछले साल 12 नवंबर से 26 दिसंबर के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में भारत के 322 जिलों से 47,000 से अधिक प्रतिक्रियाएं (एप्पल आईफोन उपकरणों के उपयोगकर्ताओं से 31,000 और एंड्रॉइड उपकरणों के उपयोगकर्ताओं से लगभग 16,000) प्राप्त होने का दावा किया गया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि आईओएस 18 में अपग्रेड करने के बाद परेशानियों का सामना करने वाले लगभग 10 में से नौ ऐप्पल आईफोन उपयोगकर्ता इसका कारण आईओएस को मानते हैं। किसी ने भी अपनी समस्याओं के लिए अपने वाईफाई या मोबाइल नेटवर्क के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया। ऐप्पल अपने नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम आईओएस 18 के अपडेट जारी कर रहा है। अक्टूबर में कंपनी ने आईफोन-16 के चुनिंदा मॉडल में स्क्रीन और कैमरा फ्रीजिंग की समस्या को ठीक करने के लिए आईओएस 18.0.1 अपडेट जारी किया था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के संबंध में एप्पल और गूगल को भेजे गए ईमेल का कोई उत्तर नहीं मिला।

अपीलीय न्यायाधिकरण की इंडियाबुल्स रियल एस्टेट और एंबैसी ग्रुप के विलय को मंजूरी

नई दिल्ली। इंडियाबुल्स रियल एस्टेट (आईबीआरईएल) और एम्बैसी ग्रुप को बड़ी राहत देते हुए अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने प्रक्रिया पर रोक लगाने वाले एनसीएलटी के आदेश को खारिज करते हुए दोनों रियल एस्टेट कंपनियों के विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) की दो सदस्यों वाली पीठ ने कहा, ÷हम एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ के विवादित आदेश को खारिज करते हैं और अपीलकर्ताओं (इंडियाबुल्स रियल एस्टेट, एम्बैसी वन और एनएएम एस्टेट्स) के बीच विलय की योजना को मंजूरी देने की अपील को स्वीकार करते हैं। विलय पिछले 18 महीनों से रुका हुआ था, क्योंकि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चंडीगढ़ पीठ ने भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई), शेयर बाजारों, कंपनी पंजीयक से सभी नियामकीय मंजूरियां और संबंधित शेयरधारकों और लेनदारों से अनुमोदन के बावजूद मई, 2023 में इसकी अनुमति रोक दी थी। एनसीएलएटी ने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण को मानक निर्धारित मूल्यांकन विधियों में से किसी एक का उपयोग करके विशेषज्ञों द्वारा किए गए मूल्यांकन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। अपीलीय न्यायाधिकरण ने कहा, तथ्यों और परिस्थितियों तथा प्रासंगिक न्यायिक उदाहरणों पर गौर करने के बाद हम मानते हैं ।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बैंक प्रमुखों की बुलाई बैठक, वित्तीय समावेशन योजनाओं की होगी समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। वित मंत्रालय ने जन सुरक्षा और मुद्रा योजना सहित विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं (वेलफेयर स्कीमों) की प्रगति की समीक्षा के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के प्रमुखों की बैठक बुलाई है। इस समीक्षा बैठक की अध्यक्षता वित?तीय सेवा सचिव एम. नागराजू करेंगे, जिसमें निजी क्षेत्र के बैंकों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में पीएम स्वनिधि योजनाओं सहित विभिन्न वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा और समीक्षा की जाएगी। वित्त मंत्रालय ने समय-समय पर प्रधानमंत्री जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत विभिन्न अभियान चलाए हैं।

पीएमजेजेबीवाई 18-50 वर्ष की आयुवर्ग के उन लोगों को किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख

रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान करती है, जिनके पास बैंक या डाकघर में खाता है। इसमें शामिल होने या प्रीमियम के स्वतः डेबिट को सक्षम करने के लिए अपनी सहमति देते हैं। वहीं, पीएमएसबीवाई 18-70 वर्ष की आयुवर्ग के उन लोगों को दुर्घटनावश मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता के लिए 2 लाख रुपये तथा आंशिक स्थायी विकलांगता के लिए एक लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान करती है, जिनके पास बैंक या डाकघर में खाता है। इसमें शामिल होने या प्रीमियम के स्वतः डेबिट को सक्षम करने के लिए अपनी सहमति देते हैं। इसी तरह आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करते हुए पांच अप्रैल, 2016 को शुरू की गई स्टैंडअप इंडिया योजना 2025 तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना का उद्देश्य सभी बैंक शाखाओं को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उधारकर्ताओं को अपने स्वयं के नए उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण देने के लिए प्रोत्साहित करना है। दरअसल पिछले साल सरकार ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना को दिसंबर, 2024 तक जारी रखने की मंजूरी दी थी। पीएम स्वनिधि योजना को सरकार ने जून, 2020 में सूक्ष्म-कर्ज सुविधा के रूप में पेश किया था। इसका उद्देश्य स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी पर अस्थायी दुकान या ठेली लगाने वालों) को कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप हुए नुकसान की भरपाई के लिए सशक्त बनाना था। पीएम स्वनिधि के माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती, बिना किसी जमानत के लोन दिया जाता है।

गाजा में ताजा इजरायली हमलों में 8 लोगों की मौत

एजेंसी

रामल्लाह। गाजा पट्टी के इलाकों पर इजरायली हमलों में कम से कम आठ फिलिस्तीनी मारे गए।स्थानीय नागरिक सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों ने यह जानकारी दी। गाजा में नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि गाजा शहर के पश्चिम में अल-शती शरणार्थी शिविर में फिलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाकर किए गए इजरायली ड्रोन हमले में तीन लोग मारे गए। एक अलग हमले में गाजा शहर के उत्तर-पश्चिम में अल-करामा पड़ोस में एक हवाई हमले में दो फिलिस्तीनी मारे गए और गाजा शहर के पूर्व में अल-शुजाइया पड़ोस में एक इजरायली हमले में दो और मारे गए। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इसके अतिरिक्त उत्तरी गाजा के जबालिया शहर में एक युवक की मौत हो गई, जहां प्रत्यक्षदर्शियों ने क्षेत्र को निशाना बनाने वाले इजरायली तोपखाने से चोटों की पुष्टि की। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने इज़रायल पर नरसंहार, विस्थापन और कब्जे को बढ़ावा देने के लिए ''समय खरीदने के खेल के माध्यम से अपने युद्ध को लम्बा खींचने का आरोप लगाया और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से हिंसा को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

बाईडेन , नेतन्याहू ने गाजा युद्धविराम वार्ता में प्रगति पर की चर्चा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ गाजा पट्टी में संभावित युद्धविराम और बंधक रिहाई समझौते के संबंध में दोहा में चल रही वार्ता पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, दोनों नेताओं ने युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के समझौते के लिए दोहा में चल रही बातचीत पर चर्चा कीज उन्होंने (बाईडेन) गाजा में युद्धविराम के समझौते की तत्काल आवश्यकता और मानवीय सहायता में वृद्धि के साथ बंधकों की वापसी पर जोर दिया, जो लड़ाई में रोक के कारण संभव हो सके। बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा सर्वसम्मति से समर्थित 27 मई, 2024 की व्यवस्था के आधार पर बातचीत की प्रगति पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि नेतन्याहू ने इजरायल की सुरक्षा और राष्ट्रीय रक्षा के लिए अमेरिका से असाधारण समर्थन के लिए बाईडेन को धन्यवाद दिया।

इज़रायली सेना ने लेबनान में हिज़्बुल्लाह के ठिकानों पर हमले का किया दावा

यरूशलम। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के कई सैन्य ठिकानों पर हमला किया है, साथ ही सीरियाई-लेबनानी सीमा पर उन मार्गों पर भी हमला किया है जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता था। इससे पहले लेबनानी समाचार एजेंसी 'एनएनए' ने बताया था कि इजरायली वायु सेना के विमानों ने दक्षिणी लेबनान में कई हमले किए हैं। सेना ने टेलीग्राम पर कहा, पिछले घंटों में आईडीएफ ने लेबनान में कई हिजबुल्लाह आतंकी ठिकानों पर खुफिया सूचना पर आधारित हमले किए।÷ हमले किए गए लक्ष्यों में एक रॉकेट लॉन्चर साइट, एक सैन्य स्थल और सीरिया-लेबनान सीमा के रास्ते थे जिनका इस्तेमाल हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता था।

रूस के निज़नेकैमस्क, ऊफ़ा हवाई अड्डों पर उड़ान प्रतिबंध हटे

मॉस्को। रूसी हवाई परिवहन एजेंसी रोसावियात्सिया नेकहा कि निज़नेकमस्क और उफा के हवाई अड्डों पर विमानों के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध हटा दिया गया है। रोसावियात्सिया द्वारा जारी एक एक बयान में कहा गया, निज़नेकैमस्क (बेगीशेवो) और ऊफ़ा के हवाई अड्डों पर स्थानीय समयानुसार 21:00 बजे [अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 18:00 बजे विमान के आगमन और प्रस्थान पर प्रतिबंध हटा दिया गया था।उल्लेखनीय है कि नागरिक विमान उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी प्रतिबंध लगाए गए थे।

ओली के अध्यादेशों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में दरार

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी ओली का संसद की बैठक न बुलाकर एक के बाद एक अध्यादेश से शासन चलाने को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन में विरोध शुरू हो गया है। ओली सरकार को समर्थन करने वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के ही कई नेताओं ने एक साथ कई अध्यादेश लाने के सरकार के कदम का विरोध किया है। सरकार का विरोध करने वालों में पार्टी अध्यक्ष शेरबहादुर देउवा के निकट माने जाने वाले नेता ही शामिल हैं। देउवा के निकट माने जाने वाले पूर्व विदेश मंत्री एनपी साउद ने ओली के लगातार अध्यादेश लाने के फैसले से गठबंधन की नींव में ही दरार आने की बात कही है। नेपालगंज में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांसद एनपी साउद ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संसदीय व्यवस्था में विश्वास करने वाली पार्टी है। लेकिन जिस तरह से प्रधानमंत्री ओली संसदीय व्यवस्था को किनारे रखते

हुए लगातार अध्यादेश के मार्फत शासन कर रहे हैं, उससे गठबंधन को लेकर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। इसी तरह देउवा के निकट एक अन्य सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि एमाले पार्टी और प्रधानमंत्री ओली गठबंधन धर्म के विपरीत शासन चलाने में मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से संसद में लाए जाने वाले विधेयक को अध्यादेश के द्वारा लाया जा रहा है, इसके पीछे इनकी नियत सही नहीं है। केसी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को ओली के साथ अपने गठबंधन को लेकर गंभीर समीक्षा करने की आवश्यकता है। उधर, पिछले कुछ दिनों से लंदन में रहे देउवा के विरोधी गुट के नेता शेखर कोइराला ने वहां आयोजित पार्टी समर्थकों के कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस पार्टी सबसे बड़ी पार्टी है लेकिन इस समय वह ओली को समर्थन कर सरकार चला रही है जो कि दुर्भाग्य है। उन्होंने कहा कि ओली जिस तरह से अपनी मनमानी चल रहे हैं, उससे सबसे अधिक घाटा नेपाली कांग्रेस की नीति और विचारधारा को हो रही है। शेखर कोइराला ने मांग की है कि ओली की मनमानी रोकने के लिए और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संसदीय प्रणाली को बचाने के लिए तत्काल ओली सरकार से समर्थन वापस लेने का कठोर निर्णय करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि वो इस बारे में पार्टी अध्यक्ष देउवा से संपर्क में हैं और लगातार उन पर दबाव बना रहे हैं।

लॉस एंजिलिस में दावानल से अब तक 24 लोगों की मौत

एजेंसी

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस दावानल से जूझ रहा है। गरम और तेज हवा चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि लॉस एंजिल्स में लगी आग से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार देररात से बुधवार तक क्षेत्र में तेज हवा चलने की आशंका से लोग भयभीत हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सप्ताहांत में दमकल कर्मचारियों को तेज और गरम हवाओं के बीच पैलिसेड्स और ईटन में आग का प्रकोप करने में काफी हद तक कामयाबी मिली। दमकल विभाग के कर्मचारी जंगल में लगी आग को

बुझाने में लगे रहे। लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने कहा कि लापता लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चिंता व्यक्त करते हुए सोशल साइट ट्रुथ पर राज्य के अधिकारियों को अक्षम कहा है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में एक और कोयला खदान में हादसा, दो की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक और कोयला खदान में हुए हादसे में दो मजूदरों की मौत हो गई। यह हादसा हरनाई जिले के खोस्त इलाके की कोयला खदान में हुआ। खदान के अचानक ढह जाने से आठ मजदूर दब गए थे। इनमें से छह को बचा लिया गया। समाचार पत्र के अनुसार, यह हादसा तब हुआ जब क्वेटा के बाहरी इलाके में संजडी खदान से 11 और शवों की बरामदगी के बाद शेष एक शव को निकालने के लिए खुदाई जारी थी। संजड़ी खदान में 9 जनवरी को शक्तिशाली मीथेन गैस विस्फोट के बाद 12 कोयला खनिक लगभग 4,000 फीट की गहराई में फंस गए थे। 11 पीड़ितों में से 10 मूल रूप से खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले के और एक स्वात का रहने वाला था। अधिकारियों के अनुसार, हरनाई जिले के खोस्त कोयला क्षेत्र

की हादसाग्रस्त खदान में दरारें आ गई हैं। हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान जाहिद और इस्लाहत के रूप में हुई है। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। खान एवं खनिज विभाग ने यह खदान बंद कर घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान सेंट्रल माइंस श्रमिक महासंघ के नेताओं ने कोयला खदान हादसों पर चिंता जताई है। उन्होंने सुरक्षा नियमों को लागू करने में सरकार की विफलता की निंदा की।

मध्य यमन में गैस स्टेशन पर विस्फोट में गई 15 लोगों की जान, 67 घायल

एजेंसी

सना। मध्य यमन के अल बायदा प्रांत में एक गैस स्टेश पर विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई है और 67 लोग घायल हुए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विस्फोट शनिवार को बायदा प्रांत के जहेर जिले में हुआ।

मंत्रालय के अनुसार, विस्फोट में घायल 67 लोगों में से 40 की हालत गंभीर है। साथ ही बचाव दल लापता लोगों की भी तलाश कर रहे हैं। फिलहाल विस्फोट का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। विस्फोट की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें भीषण आग दिखाई दे रही है। आग की वजह से आसमान में छाए धुएं के गुबार और जल्दी गाड़ियां साफ दिख रही हैं।बतादें कि बायदा पर ईरान समर्थित हूती

विद्रोहियों का नियंत्रण है, जो एक दशक से अधिक समय से यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के साथ युद्ध में हैं। यमन का गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ, जब विद्रोहियों ने राजधानी सना और देश के अधिकांश उत्तरी हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया, जिससे सरकार को दक्षिण, फिर सऊदी अरब भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को बहाल करने के प्रयास में, सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने मार्च 2015 में युद्ध में प्रवेश किया, जिसे उस समय अमेरिका का समर्थन प्राप्त था।

श्रीलंकाई नौसेना ने आठ भारतीय मछुआरों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका की नौसेना ने उसके जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में 08 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं को श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त कर लिया है। यह जानकारी श्रीलंकाई नौसेना द्वारा जारी एक विज्ञप्ति से मिली। श्रीलंका की नौसेना ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां शनिवार देर रात को मन्नार के उत्तर के समुद्री क्षेत्र में शुरू किए गए एक विशेष अभियान के दौरान हुईं। बयान में कहा गया है कि इन गिरफ्तारियों के साथ ही इस वर्ष अब तक 18 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया जा चुका है और तीन नौकाएं जब्त की जा चुकी हैं। श्रीलंकाई नौसेना ने बताया कि 11 जनवरी की रात को उसकी उत्तर-मध्य कमान ने भारतीय मछुआरों की कुछ नौकाओं को देखा जो श्रीलंका के समुद्री क्षेत्र में अवैध तरीके से मछली पकड़ रहे थे। उसने कहा कि कमान ने मन्नार के उत्तर समुद्री क्षेत्र से भारतीय मछुआरों की नौकाओं

खदेड़ने के लिए अपने गश्ती जहाजों को भेजा। नौसेना के अधिकारियों ने बताया, ''इस अभियान के तहत मछली पकड़ने वाली दो भारतीय नौकाओं को जब्त किया गया तथा आठ भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने बताया कि जब्त की गई नौकाओं को इरानतिवु द्वीप लाया गया और उन्हें कानूनी कार्यवाही के लिए किलिनोच्ची के सहायक मत्स्य निदेशालय को सौंपा गया है।

नेपाल सरकार ने तब्लीगी जमात के आयोजन इज्तेमा पर रोक लगाई

एजेंसी

काठमांडू। इस वर्ष नेपाल के मधेश प्रदेश के रौतहट में होने वाले मुस्लिम धर्म के तब्लीगी जमात के इज्तेमा पर सरकार ने रोक लगा दी है। यह लगातार चौथा वर्ष है जिस पर नेपाल सरकार ने रोक लगाई है। इस वर्ष नेपाल के मुसलमान समुदाय द्वारा तब्लीगी जमात के इज्तेमा का आयोजन रौतहट में 8-10 फरवरी को आयोजित किया गया था। इसके आयोजन की अनुमति और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन से अनुमति की मांग की गई थी। आयोजन समिति के तरफ से विभिन्न मुस्लिम धार्मिक संगठनों ने इसको लेकर गृह मंत्री रमेश लेखक से मुलाकात कर इसकी आयोजन की अनुमति दिए जाने का आग्रह किया था। मुस्लिम आयोग के तरफ से भी सरकार पर लगातार इज्तेमा के आयोजन की अनुमति को लेकर

दबाव दिया जा रहा था। लेकिन गृह मंत्रालय के हुई सुरक्षा समिति की बैठक में इज्तेमा की अनुमति नहीं दिए जाने का फैसला किया गया है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने बताया कि सुरक्षा और संवेदनशीलता केंद्यान में रखते हुए इज्तेमा की अनुमति नहीं दी गई है। यह लगातार चौथा वर्ष है जब नेपाल सरकार ने इज्तेमा करने की अनुमति प्रदान नहीं की है। सन 2020 में नेपाल के सप्तरी जिले में इज्तेमा का आयोजन में डेढ़ लाख से अधिक तब्लीगी जमात के इकठ्ठा होने और यहां से दिल्ली जाने के बाद उस वर्ष कोरोना फैलने को एक प्रमुख कारण माना गया था।

उसके बाद 2021 से 2023 तक हर वर्ष तब्लीगी जमात द्वारा सरकार से अनुमति लिए जाने का प्रयास किया जाता रहा है है लेकिन हर वर्ष सरकार के तरफ से इसे रोक दिया जाता रहा है।

हालांकि मुस्लिम संगठनों द्वारा सरकार के इस फैसले का विरोध किया गया है। मुस्लिम आयोग के अलावा इत्तेहाद मुस्लिम संगठन सहित आधे दर्जन मुस्लिम संगठनों ने बयान जारी कर सरकार के इस फैसले का विरोध किया है।

काठमांडू सहकारी बैंक घोटाले में जमानत पर सुनवाई नहीं हुई पूरी, फिर पुलिस हिरासत में भेजे गए पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू की जिला अदालत ने पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को पुलिस हिरासत में भेज दिया। लामिछाने काठमांडू के स्वर्ण लक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाला मामले में अपनी जमानत याचिका के संदर्भ में अदालत में बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचे थे, लेकिन जमानत पर सुनवाई पूरी नहीं होने के कारण उन्हें आज रात पुलिस हिरासत में ही गुजारना होगा। इस मामले की सुनवाई सोमवार को भी होगी।

नेपाल के चर्चित सहकारी बैंक घोटाला मामले में लामिछाने के विरुद्ध पांच जिलों में मामला दर्ज है। इन पांच जिलों में काठमांडू, पोखरा, चितवन, बुटवल और वीरगंज शामिल हैं। पोखरा जिले से संबंधित सहकारी बैंक घोटाले में 84 दिनों तक पुलिस हिरासत में रहने के बाद लामिछाने को शुक्रवार को जमानत

मिली थी। अब उनको चार अन्य जिलों में दर्ज मामलों में भी जमानत लेनी होगी। उसी प्रक्रिया के तहत आज वे काठमांडू पहुंचे थे। काठमांडू से जमानत मिलते ही लामिछाने को बुटवल के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाले में बयान दर्ज कराने और जमानत लेने के लिए जाना होगा।

काठमांडू के जिला जज माधव प्रसाद अधिकारी की अदालत में लामिछाने से जुड़े मामले की सुनवाई चल रही है। सुनवाई के दौरान रवि के वकीलों ने यह दलील दी कि जब एक जैसे मामले में पोखरा अदालत ने जमानत पर छोड़ दिया और रवि खुद ही आज अदालत में हाजिर हुए हैं, ऐसे में उनको पुलिस हिरासत में नहीं भेजा जाना चाहिए, लेकिन सरकारी वकील ने उन्हें यह छूट देने का विरोध करते हुए जमानत पर फैसला नहीं आने तक पुलिस हिरासत में रखने की मांग की, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। अब लामिछाने को अदालत में सुनवाई पूरी होने तक काठमांडू पुलिस की हिरासत में ही रहना होगा।

हमास के बंधक बनाए गए नेपाली छात्र की रिहाई के लिए तेल अवीव में प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। हमास द्वारा बंधक बनाए गए नेपाली छात्र विपिन जोशी की रिहाई के लिए इजरायल के तेल अवीव में हजारों इजरायली नागरिकों ने प्रदर्शन किया। हमास द्वारा जारी की गई रिहाई सूची में नेपाली छात्र जोशी का नाम नहीं होने के बाद यह प्रदर्शन किया गया।

इजरायल के सबसे बड़े शहर तेल अवीव में शनिवार को बड़ी संख्या में तख्तियां पकड़े हुए इजरायलियों ने 07 अक्टूबर 2023 को हमास आतंकवादी समूह द्वारा अपहरण किए गए इजरायलियों की छोड़ने की मांग करते हुए प्रार्थना की और प्रदर्शन किए। प्रदर्शनकारियों के पास मौजूद लोगों में एक तख्ती देखी जा सकती है जिसमें नेपाली छात्र बिपिन जोशी की तस्वीर है। प्रदर्शनकारियों ने उम्मीद जताई है कि अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के

शपथ ग्रहण समारोह से पहले यह इस तरह का अंतिम प्रदर्शन होगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप 20 जनवरी को पद और गोपनीयता की शपथ ले रहे हैं।हमास और इजरायल के बीच बातचीत शुरू हो गई है। माहौल अनुकूल बनाने के लिए हमास ने बंधक बनाए गए 34 लोगों की सूची सार्वजनिक की है। हालांकि, विपिन जोशी का नाम सूची में शामिल नहीं है। इजरायल में अमेरिकी राजदूत जैक ल्यू, ब्रिटिश राजदूत साइमन वाल्टर्स, जर्मन राजदूत स्टीफन सीबर्ट और नेपाली राजदूत प्रोफेसर धन प्रसाद पंडित सहित अन्य गणमान्य लोग शनिवार को इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। अमेरिकी राजदूत ल्यू इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राजधानी जेरूसलम से तेल अवीव गए थे।

नीदरलैंड के हेग में 700 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

एजेंसी

हेग। नीदरलैंड में हेग के पास एक मोटरवे पर प्रदर्शन कर रहे 700 से अधिक जलवायु कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। डच पुलिस ने बताया कि सभी प्रदर्शनकारियों ने सड़क अवरुद्ध कर दी थी और जाने से इनकार कर दिया तभी उन्हें हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए लोगों में से 12 व्यक्तियों पर राजद्रोह और

हमले जैसे अपराधों के आरोप लगाए गए और उन्हें पुलिस स्टेशनों में ले जाया गया। शेष प्रदर्शनकारियों को बस द्वारा शहर से बाहर ले जाया गया और बाद में दिन में रिहा कर दिया गया। डच मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, प्रदर्शनकारी तेल, प्राकृतिक गैस और कोयला कंपनियों के लिए जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को समाप्त करने के लिए प्रदर्शन कर रहे थे। नाकाबंदी पर नगर निगम के प्रतिबंध और स्क्रीन और बाड़ जैसे उपायों के बावजूद, सैकड़ों कार्यकर्ता राजमार्ग तक पहुंचने में कामयाब रहे। कुछ लोगों ने खुद को सड़क पर जंजीरों से बांध लिया, जिसके परिणामस्वरूप यातायात घंटों बाधित रहा। पुलिस ने अंततः भीड़ को तितर-बितर करने और सड़क साफ़ करने के लिए पानी की बौछारों का इस्तेमाल किया।

ग्रीनलैंड के लिए यूएस को चुकानी पड़ सकती है भारी रकम

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की इच्छा जता चुके हैं। हालांकि अगर सहमति बनती है तो अमेरिका को ग्रीनलैंड खरीदने के लिए भारी-भरकतम कीमत चुकानी होगी। एक रियल एस्टेट डेवलेपर और पूर्व अर्थशास्त्री डेविड बार्कर ने अनुमान लगाया है कि ग्रीनलैंड खरीदने के लिए अमेरिका को 12.5 अरब डॉलर से लेकर 77 अरब डॉलर की रकम खर्च करनी पड़ेगी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बार्कर ने मुद्रास्फीति और आर्थिक विकास को ध्यान में रखते हुए वर्जिन आइलैंड्स और अलास्का के लिए दी गई रकम को आधार बनाया है।

पूर्व में एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्रीनलैंड में मौजूद प्राकृतिक संसाधन करीब 1.1 खरब डॉलर की कीमत के हो सकते हैं, लेकिन डेविड बार्कर ने इस अनुमान को अविश्वसनीय बताकर खारिज कर दिया और कहा है कि अमेरिका को ग्रीनलैंड के संसाधनों से उतना फायदा नहीं होगा क्योंकि निजी कंपनियां ड्रिलिंग और खनन के अधिकार खरीद लेंगी। हालांकि बार्कर ने ये भी कहा कि ग्रीनलैंड को खरीदना इतना आसान नहीं है और इसमें कई फैक्टर हैं, जो इस डील को मुश्किल बना सकते हैं। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप

ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं और उन्होंने पहली बार साल 2019 में यह सुझाव दिया था कि अमेरिका को ग्रीनलैंड को खरीदना चाहिए। शीत युद्ध के समय से ही ग्रीनलैंड का अमेरिका के लिए रणनीतिक महत्व रहा है। साल 1946 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने 10 करोड़ डॉलर के सोने में डेनमार्क के नियंत्रण वाले द्वीप ग्रीनलैंड को खरीदने की पेशकश की थी। हालांकि उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया गया था। एक संप्रभु देश द्वारा दूसरे देश के क्षेत्र खरीदने की बात थोड़ी असामान्य लग सकती है, लेकिन अतीत में इसके कई उदाहरण भी हैं। अमेरिका ने अतीत में लुइसियाना , अलास्का और यूएस वर्जिन आइलैंड्स सहित कई क्षेत्रों को खरीदा है। ग्रीनलैंड पर 1700 से ही डेनमार्क का नियंत्रण है और यह डेनमार्क से मिलने वाली सब्सिडी पर निर्भर है। ग्रीनलैंड की आबादी 57 हजार है। बीते दिनों ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा था कि राष्ट्रीय सुरक्षा और दुनिया में कहीं भी जाने की आजादी के लिए अमेरिका का ग्रीनलैंड पर नियंत्रण बेहद जरूरी है। दरअसल उत्तरी अमेरिका से यूरोप जाने के सबसे छोटे रूट पर ग्रीनलैंड स्थित है। अमेरिका काफी लंबे समय से ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानता है। ट्रंप का मानना है कि रूसी और चीनी जहाज़ों की निगरानी के लिए भी ग्रीनलैंड अहम है।

सागौन की खेती

सागौन को इमारती लकड़ी का राजा कहा जाता है जो वर्बेनेसी परिवार से संबंध रखता है। इसका वैज्ञानिक नाम टैक्टोना ग्रांडिस है। इसका पेड़ बहुत लंबा होता है और अच्छी किस्म की लकड़ी पैदा करता है। यही वजह है कि इसकी देश और विदेश के बाजार में अच्छी डिमांड है। सागौन से बनाए गए सामान अच्छी क्वालिटी के होते हैं और ज्यादा दिनों तक टिकते भी हैं। इसलिए सागौन की लकड़ी से बने फर्नीचर की घर और ऑफिस दोनों जगहों पर भारी मांग हमेशा रहती है। पूरी दुनिया में सागौन लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए आम तौर पर सागौन की अच्छी किस्म की खेती की जाती है जिसमें कम रिस्क पर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

लगभग 14 सालों में अच्छी सिंचाई, उपजाऊ मिट्टी के साथ वैज्ञानिक प्रबंधन के जरिए एक पेड़ से 10 से 15 क्यूबिक फीट लकड़ी हासिल की जा सकती है। इस दौरान पेड़ के मुख्य तने की लंबाई 25-30 फीट, मोटाई 35-45 ईंच तक हो जाती है। आमतौर पर एक एकड़ में 400 अच्छी क्वालिटी के आनुवांशिक पेड़ तैयार किये जा सकते हैं। इसके लिए सागौन के पौधों के बीच 9/12 फीट का अंतराल रखना होता है।

भारत में सागौन के कई प्रकार हैं

नीलांबर (मालाबार) सागौन दक्षिणी और मध्य अमेरिकन सागौन पश्चिमी अफ्रीकन सागौन अदिलाबाद सागौन गोदावरी सागौन कोन्नी सागौन

सागौन की खेती के लिए उपयुक्त मौसम

सागौन के लिए नमी और उष्णकटिबंधीय वातावरण जरूरी होता है। यह ज्यादा तापमान को आसानी से बर्दाश्त कर लेता है। लेकिन सागौन की बेहतर विकास के लिए उच्चतम 39 से 44 डिग्री सेंटीग्रेट और निम्नतम 13 से 17 डिग्री सेंटीग्रेड उपयुक्त है।

1200 से 2500 मिलीमीटर बारिश वाले इलाके में इसकी अच्छी पैदावार होती है। इसकी खेती के लिए बारिश, नमी, मिट्टी के साथ-साथ रोशनी और तापमान भी अहम भूमिका निभाता है।

सागौन खेती में मिट्टी की भूमिका

सागौन की सबसे अच्छी पैदावार जलोढ़ मिट्टी में होती है जिसमे चूना-पत्थर, शीष्ट, शैल, भूसी और कुछ ज्वालामुखीय चट्टानें जैसे कि बैसाल्ट मिली हो। वहीं, इसके विपरीत सूखी बलुवाई, छिछली, अम्लीय (6.0पीएच) और दलदलीय मिट्टी में पैदावार बुरी तरह प्रभावित होती है। सॉयल पीएच यानी मिट्टी में अम्लता की मात्रा ही खेती के क्षेत्र और विकास को निर्धारित करती है। सागौन के वन में सॉयल पीएच का रेंज व्यापक है, जो 5.0-8.0 के 6.5-7.5 बीच होता है।

सागौन खेती में कैल्सियम की भूमिका

कैल्सियम, फोस्फोरस, पोटैशियम, नाइट्रोजन और ऑर्गेनिक तत्वों से भरपूर मिट्टी सागौन के लिए बेहद मुफीद है। कई शोध परिणाम बताते हैं कि सागौन के विकास और लंबाई के लिए कैल्सियम की ज्यादा मात्रा बेहद जरूरी है। यही वजह है कि सागौन को कैलकेरियस प्रजाति का नाम दिया गया है। सागौन की खेती कहां होगी इसको निर्धारित करने में कैल्सियम की मात्रा अहम भूमिका निभाती है। साथ ही जहां सागौन की मात्रा जितनी ज्यादा होगी उससे ये भी साबित होता है कि वहां उतना ही ज्यादा कैल्सियम है। जंगली इलाकों में जहां नर्सरी स्थापित की जाती है वो बेहद ऊर्वरक होती है और उसमे अलग से खाद मिलाने की जरूरत नहीं होती है।

नर्सरी में सागौन पौधारोपन

सागौन की नर्सरी के लिए हल्की ढाल युक्त अच्छी सूखी हुई बलुई मिट्टी वाला क्षेत्र जरूरी होता है। नर्सरी की एक क्यारी 1.2 मीटर की होती है। इसमे 0.3 मी.से 0.6मी की जगह छोड़ी जाती है। साथ ही क्यारियों की लाइन के लिए 0.6 से 1.6 मी. की जगह छोड़ी जाती है। एक क्यारी में 400-800 तक पौधे पैदा होते हैं। इसके लिए क्यारी की खुदाई होती है। इसे करीब 0.3 मी. तक खोदा जाता है और जड़, खूंटी और कंकड़ को निकाला जाता है। जमीन पर पड़े ढेले को अच्छी तरह तोड़ कर मिला दिया जाता है। इस मिट्टी को एक महीने के लिए खुला छोड़ दिया जाता है और उसके बाद उसे क्यारी में बालू और ऑर्गेनिक खाद के साथ भर दिया जाता है। नमी वाले इलाके में जल जमाव को रोकने के लिए जमीन के स्तर से क्यारी को 30 सेमी तक ऊंचा उठाया जाता है। सूखे इलाके में क्यारी को जमीन के स्तर पर रखा जाता है। खासकर बेहद सूखे इलाके में जहां 750 एमएम बारिश होती है वहां पानी में थोड़ी डूबी हुई क्यारियां अच्छा रिजल्ट देती है। एक मानक क्यारी से जो कि 12 मी. की होती है उसमे करीब 3 से 12 किलो बीज इस्तेमाल होता है। वहीं, केरल के निलांबुर में करीब 5 किलो बीज का इस्तेमाल होता है।

सागौन की रोपाई के तरीके

फैलाकर या छितराकर और क्रमिक या डिबलिंग तरीके से 5 से 10 फीसदी अलग रखकर बुआई की जाती है। क्रमिक या डिबलिंग तरीके से बुआई ज्यादा फायदेमंद होता है अच्छी और मजबूती से बढ़ने वाली होती है। आमतौर पर क्यारियों को उपरी शेड की जरूरत नहीं होती है। सिवा बहुत सूखे इलाके के जहां सिंचाई की ज्यादा जरूरत नहीं पड़ती है। ऐसे हालात में यहां खर-पतवार भी नहीं पनप पाता है।

सागौन के पौधारोपन के लिए जगह चौरस या फिर हल्की ढलान वाला हो (जिसमे अच्छे से पानी निकलने की व्यवस्था हो)। शैल और शीस्ट से युक्त मिट्टी सागौन के लिए अच्छा होता है। सागौन की अच्छी बढ़त के लिए जलोढ़ मिट्टी वाला क्षेत्र बहुत अच्छा माना जाता है। वहीं, लैटेराइट या उसकी बजरी, चिकनी मिट्टी, काली कपासी मिट्टी, बलुई और बजरी सागौन के पौधे के लिए अच्छा नहीं होता है। पौधारोपन के लिए पूरी जमीन की अच्छी जुताई, एक लेवल में करना जरूरी होता है। पौधारोपन की जगह पर सही दूरी पर एक सीध में गड्ढा खुदाई जरूरी होता है।

सागौन रोपन के लिए कुछ जरूरी बातें-

- पूर्व अंकुरित खूंटी या पॉली पॉट का इस्तेमाल करें
- 45 cm × 45 cm × 45 cm की नाप के गड्ढे की खुदाई करें। मिट्टी में मसाला, कृषि क्षेत्र की खाद और कीटनाशक को दोबारा डालें। साथ ही बजरी वाले इलाके के खोदे गए गड्ढे में ऑर्गेनिक खाद युक्त अच्छी मिट्टी डालें।
- पौधारोपन के दौरान गड्ढे में 100 ग्राम खाद मिलाएं और उसके बाद मिट्टी की ऊर्वरता को देखते हुए अलग-अलग मात्रा में खाद मिलाते रहें
- सागौन की खेती के लिए सबसे अच्छा मौसम मॉनसून का होता है, खासकर पहली बारिश का वक्त
- पौधे की अच्छी बढ़त के लिए बीच-बीच में मिट्टी की निराई-गुड़ाई का भी काम करते रहना चाहिए, पहले साल में एक बार, दूसरे साल में दो बार और तीसरे साल में एक बार पर्याप्त है।
- पौधारोपन के बाद मिट्टी की तैयारी को अंतिम रुप दें और जहां जरूरी है वहां सिंचाई की व्यवस्था करें।
- शुरुआती साल में खर-पतवार को हटाने का काम करना सागौन की अच्छी बढ़त को सुनिश्चित करता है।

खर-पतवार का नियंत्रण

सागौन के पौधारोपन के शुरुआती दो-तीन सालों में खर-पतवार नियंत्रण पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। नियमित अंतराल पर खतर-पतवार हटाने का अभियान चलाते रहना चाहिए। पहले साल में तीन बार, दूसरे साल में दो बार और तीसरे साल में एक बार ये अभियान अच्छी तरह चलाना आवश्यक है। यहां ध्यान रखनेवाली बात ये है कि सागौन ऐसी प्रजाति का पेड़ है जिसकी वृद्धि और विकास के लिये सूर्य की पर्याप्त रोशनी जरूरी है।

सागौन खेती में सिंचाई की तकनीक

शुरुआती दिनों में पौधे की वृद्धि के लिए सिंचाई बेहद अहम है। खर-पतवार नियंत्रण के साथ-साथ सिंचाई भी चलती रहनी चाहिए जिसका अनुपात 3,2,1है। इसके साथ ही मिट्टी का भी काम चलते रहना चाहिए। अगस्त और सितंबर महीने में दो बार खाद डालना चाहिए। लगातार तीन साल तक प्रत्येक पौधे में 50 ग्राम एनपीके (15:15:15) डाला जाना चाहिए। नियमित तौर पर सिंचाई और पौधे की छंटाई से तने की चौड़ाई बढ़ जाती है। ये सब कुछ पौधे के शीर्ष भाग के विकास पर निर्भर करता है जैसे कि प्रति एकड़ वृक्षों की संख्या में कमी। दूसरे शब्दों में अधिक ऊंचाई वाले पौधे लेकिन कम संख्या या फिर कम ऊंचाई वाले पौधे लेकिन संख्या ज्यादा। सिंचाई सुविधायुक्त सागौन के पेड़ तेजी से बढ़ते हैं लेकिन वहीं, रसदार लकड़ी की मात्रा बढ़ जाती है। ऐसे में पौधे का तना कमजोर हो जाता है और हवा से इसे नुकसान पहुंचता है। ऐसे में पौधे में पानी के फफोले बनने लग जाते हैं। ऐसे पेड़ बाहर से दिखने में मजबूत दिखते हैं लेकिन पानी के जमाव की वजह से पैदा हुए फंगस की वजह से अंदर से खोखला हो जाता है।

सागौन की खेती में पौधे आमतौर पर 13 से 40 डिग्री तापमान के बीच अच्छी तरह से बढ़ते हैं। प्रत्येक साल 1250 से 3750 एमएम की बारिश इसकी खेती के लिए पर्याप्त है। वहीं, अच्छी गुणवत्ता वाले पेड़ के लिए साल में चार महीना सूखा मौसम चाहिए और इस दौरान 60 एमएम से कम बारिश ही अच्छी होती है। पेड़ के बीच अंतर, तने की काट-छांट की टाइमिंग से पौधे के विकास पर फर्क पड़ता है। कांट-छांट में अगर देरी की गई या फिर पहले या ज्यादा कांट-छांट की जाती है तो इससे भी इसकी खेती पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

सागौन की खेती में कटाई-छंटाई का महत्व

आमतौर पर सागौन के पौधे की कटाई-छटाई पौधा रोपन के पांच से दस साल के बीच की जाती है। इस दौरान जगह की गुणवत्ता और पौधों के बीच अंतराल को भी ध्यान में रखा जाता है। वहीं अच्छी जगह और नजदीकी अंतराल (1.8म1.8 m और 2×2) वाले पौधे की पहली और दूसरी कटाई-छंटाई का काम पाचवें और दसवें साल पर की जाती है। दूसरी बार कटाई-छंटाई के बाद 25 फीसदी पौधे को विकास के लिए छोड़ दिया जाता है।

सागौन पौधारोपन के बीच अंतर फसल

शुरुआती दो साल के दौरान सागौन की खेती के बीच में अंतर फसल उगाई जाती है खासकर वहां जहां कृषि योग्य भूमि है। एक बार जब भूमि को पट्टे पर दे दिया जाता है तो पट्टेदार भूमि की सफाई, खूंटे जलाना और पौधारोपन का काम शुरु कर देता है। सागौन की खेती के बीच में आमतौर पर गेहूं, धान, मक्का, तिल और मिर्च के साथ-साथ सब्जी की खेती की जाती है। कुछ फसल जैसे कि गन्ना, केला, जूट, कपास, कद्दू, खीरा की खेती नहीं की जाती है।

सागौन की खेती में समस्याएं

निष्पत्रक और दीमक जैसे कीट बढ़ रहे सागौन के पौधे को भारी नुकसान पहुंचाते हैं। सागौन के पौधे में आमतौर पर पॉलिपोरस जोनालिस लग जाता है जो पौधे की जड़ को गला देते हैं। गुलाबी रंग का फंगस पौधे को खोखला कर देते हैं। ओलिविया टेक्टोन और अनसिनुला टेक्टोन की वजह से पाउडर जैसे फफूंद पैदा हो जाते हैं जिससे असमय पत्ता झड़ने लगता है। इसके बाद पौधे के सुरक्षा के लिए रोगनिरोधी उपाय करना जरूरी हो जाता है। केलोट्रोपिस प्रोसेरा, डेट्यूरा मेटल और अजादिराचता इंडिका के ताजा पत्तों के रस इन रोगों से लड़ने में बेहद कारगर साबित होते हैं। जैविक और अकार्बनिक खाद के मुकाबले इससे हानिकारक कीट को अच्छी तरह से खत्म किया जाता है और साथ ही यह पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचाता है।

नोट- पौधे में लगे मौजूदा कीट, बीमारी और उस पर नियंत्रण करने में कितना खर्च आयेगा इसके तकनीकी मूल्यांकन के लिए कृपया अपने नजदीकी कृषि विभाग से संपर्क करें।

सागौन की कटाई में ध्यान रखने वाली बातें-

- काटे जाने वाले पेड़ पर चिन्ह लगाएं और सीरियल नंबर लिखें
- मुख्य क्षेत्रीय वन अधिकारी के पास इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराएं
- क्षेत्रीय वन विभाग जांच के लिए अपने अधिकारी भेजकर रिपोर्ट तैयार करवाएगा
- काट-छांट या कटाई के बारे में स्थानीय वन अधिकारी को रिपोर्ट भेजना
- अनुमति मिलने के बाद काट-छांट या कटाई की प्रक्रिया शुरु की जाती है

सागौन की पैदावार

14 साल के दौरान एक सागौन का पेड़ 10 से 15 क्यूबिक फीट लकड़ी देता है। सागौन का मुख्य तना आमतौर पर 25 से 30 फीट ऊंचा होता है और करीब 35 से 45 इंच मोटा होता है। एक एकड़ में उन्नत किस्म के करीब 400 सागौन का पेड़ पैदा होता है। इसके लिए पौधारोपन के दौरान 9/12 फीट का अंतराल रखना जरूरी होता है।

सगौन की मार्केटिंग

सागौन के लिए बाजार में बेहद मांग है और इसे बेचना भी बेहद आसान है। इसके लिए बाय बैक योजना के अलावा स्थानीय टिंबर मार्केट भी होते हैं। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बेहद मांग होने की वजह से सागौन की खेती बेहद फायदेमंद है।

फसलों के साथ पोपलर वृक्ष की खेती

पोपलर एक ऐसा वृक्ष है, जो जमीन की उत्पादकता बनाये रखते हुये 6 - 8 वर्षों में प्रति एकड़ करीब 2.0 लाख रूपये किसान को दे सकता है । पोप्लर सीधा तथा तेज बढने वाला वृक्ष है । कृषि वानिकी में इस वृक्ष का विशेष महत्व है, क्योंकि सर्दियों में इसके पत्ते गिर जाने से रबी की फसलों को नुकसान कम होता है । पोपलर का वृक्ष सीधा बढ़ता है, इसलिए इसकी छाया खरीफ फसलों को भी कम ही नुकसान करती है ।

पहले दो वर्षों में पोपलर के साथ रबी या खरीफ की सभी फसलें उगाई जा सकती है । तीसरे साल या उसके बाद में छाया सहने वाली फसलें जैसे हल्दी या अदरक लाभदायक रहती है । गेहूं और रबी की अन्य फसलें भी पोपलर के वृक्षों की कटाई तक उगाई जा सकती है । खरीफ में चारे की फसलें भी वृक्षों की कटाई तक उगाई जा सकती है । पोपलर को उगाकर अधिक आमदनी लेने के लिए निम्न सुझावों को ध्यान रखना चाहिए ।

भूमि का चुनाव

इसके लिए गहरी और उपजाऊ भूमि अच्छी रहती है । इसके लिए सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है । अत पोपलर वहीं लगाएं जहाँ पानी नियमित रूप से भली - भांति प्राप्त हो सके । सिंचाई व्यवस्था के साथ - साथ उचित जल निकास का भी प्रबंधन होना चाहिए ।

पोपलर की किस्में

पोप्ल्स डेल्टोयडस की कई किस्में प्रचलित हैं । जिनमें जी - 3 तथा जी 48 की पैदावार अच्छी पाई गई है ।

पोपलर की पौधे कैसे तैयार करें

पौधे कलमों द्वारा तैयार किये जाते हैं । 3 - 4 आँखों वाली 20 - 25 से.मी. लम्बी कलमें एक साल के पौधों से काटकर तैयार की जाती है । कलमों को 15 जनवरी से 15 फरवरी तक लगाना चाहिए । कलमों को अच्छी तरह तैयार की गई क्यारियों में 80.60 से.मी. के फासले पर लगाना चाहिए ।

कलम लगाते समय उनका 2/3 भाग जमिं में तथा 1/3 भाग बाहर रखें । कलम की कम से कम एक आँख जमीन के ऊपर होनी चाहिए । कलम लगाने के तुरंत बाद सिंचाई करनी चाहिए । इसके बाद भी क्यारियों में नमी बनाये रखने के लिए 7 - 10 दिनों के अंतराल पर सिंचाई जरुरी है। अगली जनवरी तक इन कलमों से 4 - 5 मीटर ऊँचाई के पौधे तैयार हो जाते है, जिनका पौधा रोपण के लिए प्रयोग किया जाता है ।

पाला एवं शीतलहर से बचाव हेतु उपाय

देश के उत्तरी राज्यों में दिसम्बर एवं जनवरी माह में शीत लहर चलती है जिसके चलते फसलों में पाला लगने की सम्भावना बहुत अधिक हो जाती है । शीत लहर एवं पाले के मौसम में सभी फसलों को नुकसान होता है । पाले के प्रभाव से पौधों की पत्तियां एवं फूल झुलस कर गिर जाते हैं एवं आधे पके हुए फल सिकुड़ जाते हैं । फलियों एवं बालियों में दाने नहीं बनते हैं एवं जो दाने बन चुके हैं वो दाने सिकुड़ जाते हैं । ऐसे में जिन क्षेत्रों में शीत लहर चलने की सम्भावना अधिक होती है वैसे क्षेत्रों में किसानों को अपनी फसल की सुरक्षा के लिए कई उपाय करना चाहिए । फसलों को शीत लहर से बचाने के लिए किसानों को रासायनिक एवं अन्य उपाय कर फसलों को पाला लगने से बचा सकते हैं । ऐसे ही कुछ उपायों की जानकारी आपके लिए लेकर आए है, जिससे आप अपनी फसलों का पाले से बचाव कर सकते हैं

शीत लहर एवं पाले से फसल की सुरक्षा के उपाए

पौधशालाओं के पौधों एवं सीमित क्षेत्र वाले उद्यानों/नगदी सब्जी वाली फसलों में भूमि के तापमान को कम न होने देने के लिये फसलों को टाट, पोलीथिन अथवा भूसे से ढक दें । वायुरोधी टाटियां, हवा आने वाली दिशा की तरफ यानि उत्तर-पश्चिम की तरफ बांधेझ नर्सरी, किचन गार्डन एवं कीमती फसल वाले खेतों में उत्तर पश्चिम की तरफ टाटियां बांधकर क्यारियों के किनारों पर लगायें तथा दिन में पुनः हटायें ।

हल्की सिंचाई करें

जब पाला पड़ने की सम्भावना हो तब फसलों में हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए । नमीयुक्त जमीन में काफी देर तक गर्मी रहती है तथा भूमि का तापक्रम एकदम कम नहीं होता है । जिससे तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं गिरेगा और फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है ।

घुलनशील गंधक का छिड़काव

जिन दिनों पाला पड़ने की सम्भावना हो उन दिनों फसलों पर घुलनशील गन्धक 0.2 प्रतिशत (2 ग्राम प्रति लीटर पानी) में घोल बनाकर छिडकाव करें । ध्यान रखें कि पौधों पर घोल की फुहार अच्छी तरह लगे । छिड़काव का असर दो सप्ताह तक रहता है । यदि इस अवधि के बाद भी शीत लहर व पाले की सम्भावना बनी रहे तो छिडकाव को 15-15 दिन के अन्तर से दोहरातें रहें या थायो यूरिया 500 पी.पी.एम. (आधा ग्राम) प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिडकाव करें । सरसों, गेहूं, चना, आलू, मटर जैसी फसलों को पाले से बचाने में गंधक का छिडकाव करने से न केवल पाले से बचाव होता है, बल्कि पौधों में लौहा तत्व की जैविक एवं रासायनिक सक्रियता बढ़ जाती है जो पौधों में रोग रोधिता बढाने में एवं फसल को जल्दी पकाने में सहायक होती है ।

मेड़ों पर लागएं वायु अवरोधक पेड़

दीर्घकालीन उपाय के रूप में फसलों को बचाने के लिए खेत की उत्तरी-पश्चिमी मेड़ों पर तथा बीच-बीच में उचित स्थानों पर वायु अवरोधक पेड़ जैसे शहतूत, शीशम, बाबुल, खेजड़ी, अरडू आदि लगा दिये जाये तो पाले और ठंडी हवा के झौंको से फसल का बचाव हो सकता है ।

(Compiled by: C M Sharma)